समाचार एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।

पीतम सिंह यादव
9999164275

नई दिल्ली एवं गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित,लखनऊ,गाजियाबाद,मुजफ्फरनगर,मेरठ,हापुड़,बुलन्दशहर,बागपत,फरीदाबाद में एक साथ प्रसारित

दैनिक साांई मीडिया

विश्वास का प्रतीक

वर्ष : 16 अंक : 105 गौतमबुद्धनगर संस्करण, मंगलवार, 15 अप्रैल 2025 पेज: 8 मूल्य : 2 रूपये

मुसलमानों से हमदर्दी, तो मुस्लिम अध्यक्ष बनाए कांग्रेस:मोदी

वक्फ कानून का सही इस्तेमाल होता तो मुसलमानों को पंचर बनाने की जरूरत नहीं पड़ती

हिसार/यमुनानगरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (14 अप्रैल) हरियाणा दौरे पर रहे। सुबह करीब 10 बजे उन्होंने हिसार में हरियाणा के पहले एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। यहां से हिसार-अयोध्या फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद PM यमुनानगर पहुंचे। यहां उन्होंने 800 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट की यूनिट, कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का शिलान्यास और रेवाड़ी बाइपास का उद्घाटन किया।

मोदी ने कहा, "देश आजाद होने के बाद 2013 तक वक्फ का कानून चलता था। 2013 में कांग्रेस ने कानून में संशोधन कर दिया, ताकि चुनाव में वोट पा सकें। कानून को ऐसा बना दिया कि बाबा साहेब के संविधान की ऐसी-तैसी कर दी। इसका सही उपयोग होता तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती।"

PM ने आगे कहा, "कांग्रेस कहती है कि ऐसा मुसलमानों के हित में किया। मैं पूछना चाहता हूं कि अगर सच्चे मन से मुसलमानों के लिए थोड़ी भी हमदर्दी है तो कांग्रेस पार्टी अपनी पार्टी का अध्यक्ष किसी मुसलमान को बनाए, लेकिन इनके नेता ऐसा कुछ नहीं करेंगे। ये सिर्फ देश के नागरिकों के अधिकारों को छीनना चाहते हैं।"

मोदी ने कहा, "अब श्रीकृष्ण जी की पावन भूमि हरियाणा, श्रीराम जी की भूमि अयोध्या से सीधी जुड़ गई है। बहुत जल्द हिसार से दूसरे शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू होंगी। मेरा वादा रहा है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा। 10 सालों में करोड़ों भारतीयों ने जीवन में पहली बार हवाई सफर किया है। हमने वहां भी नए

एयरपोर्ट बनाए, जहां कभी अच्छे रेलवे स्टेशन तक नहीं थे। 2014 से पहले देश में 74 एयरपोर्ट थे, 70 साल में 74। आज देश में एयरपोर्ट की संख्या 150 के पार हो गई है।"

प्रधानमंत्री बोले, "हमें यह कभी नहीं भूलना है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब के साथ क्या किया। कांग्रेस ने उन्हें 2 बार चुनाव हराकर अपमानित किया। कांग्रेस संविधान की भक्षक बन गई है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने पेंशन में भी एससी, एसटी, ओबीसी के अधिकार छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण दे दिया।"

उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने हमारे पवित्र संविधान को सत्ता हासिल करने का एक हथियार बना दिया है। जब-जब कांग्रेस को सत्ता का संकट दिखा, उन्होंने संविधान को कुचल दिया। कांग्रेस ने संविधान की स्पिरिट को कुचला। संविधान की भावना है कि सबके लिए एक जैसी नागरिक संहिता हो, जिसे मैं कहता हूं यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC), लेकिन कांग्रेस ने इसे लागू नहीं किया। उत्तराखंड में BJP सरकार आने के बाद UCC डंके की चोट पर लागू हुआ। संविधान को जेब में लेकर बैठे कांग्रेस के लोग उसका विरोध कर रहे हैं।"

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ढट का गेहूं की बालियां और हरियाणवी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने उन्हें भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा भेंट की।

कौन हैं हरियाणा के रामपाल कश्यप, जिन्हें पीएम मोदी ने हरियाणा में पहनाए जूते?

हरियाणा की धरती पर एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने भावना और आस्था की सभी सीमाओं को पार कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए 14 साल तक नंगे पैर चलने वाले हरियाणा के कैथल निवासी रामपाल कश्यप को आखिरकार अपनी जिंदगी का सबसे यादगार पल मिल ही गया। न सिर्फ उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की, बल्कि खुद मोदी ने उनके पैरों में चप्पल पहनाई, जिससे यह एक अविस्मरणीय और ऐतिहासिक पल बन गया। नरेंद्र मोदी के समर्पित अनुयायी रामपाल कश्यप ने 2009 में एक प्रतिज्ञा की थी जो उनके जीवन के अगले 14 वर्षों को परिभाषित करेगी। उनका दृढ़ विश्वास था कि एक नेता के रूप में नरेंद्र मोदी ही वह व्यक्ति हैं जो देश का भाग्य बदल सकते हैं। इस दृढ़ विश्वास के साथ, उन्होंने प्रतिज्ञा की कि

जब तक मोदी भारत के प्रधानमंत्री नहीं बन जाते और जब तक वे उनसे व्यक्तिगत रूप से नहीं मिलते, तब तक वे जूते नहीं पहनेंगे।

अपने वचन के अनुसार, रामपाल हर मौसम में नंगे पैर चलते रहे, चाहे वह गर्मी की कड़ी धूप हो, सर्दियों की कड़ाके की ठंड हो या मानसून की मूसलाधार बारिश। एक दशक से भी ज्यादा समय से जिस पल का इंतजार किया जा रहा था, वह आखिरकार प्रधानमंत्री मोदी के हरियाणा दौरे के दौरान आ ही गया। मंच पर मीडिया और समर्थकों की भीड़ के सामने रामपाल को प्रधानमंत्री से मिलने के लिए बुलाया गया। बेहद भावुक अंदाज में मोदी ने झुककर रामपाल के पैरों में चप्पलें रखीं। पूरा दर्शक वर्ग भावुक हो गया और माहौल में भी भावनाएँ उमड़ पड़ीं। अपने शांत स्वभाव के लिए मशहूर प्रधानमंत्री मोदी भी इस पल से अभिभूत नजर आए। इसे भी पढ़ें: 2 रुपये लेकर ट्वीट करने वालों... विनेश फोगाट ने अपने आलोचकों को दिया करारा जवाब, जानें क्या कहा?<भावनात्मक मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एकत्रित भीड़ के साथ अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि यह व्रत सिर्फ.मेरे लिए नहीं था, यह उन लोगों की सामूहिक शक्ति को दर्शाता है जो हमारे देश को नई दिशा देने में विश्वास करते हैं। 14 साल तक नंगे पैर चलना आसान नहीं है; यह त्याग और अटूट आस्था का चरम है। इस पल से अभिभूत रामपाल को आंसू बहाते हुए अपना आभार व्यक्त करते देखा गया। उनके अटूट विश्वास और भक्ति को आखिरकार न केवल प्रधानमंत्री बल्कि भारत के लोगों ने भी मान्यता दी। यह मुलाकात नेता और उनके अनुयायियों के बीच गहरे संबंध की याद दिलाती है, और कैसे आस्था के ऐसे कार्य समय और स्थान से परे हो सकते हैं।

राष्ट्रपति के लिए समय सीमा, सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती दे सकती है केंद्र सरकार

नई दिल्ली। राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले को केंद्र सरकारचुनौती दे सकती है। तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल मामले में 8 अप्रैल को आए फैसले ने एक तरह से राष्ट्रपति की शक्तियों को भी सीमित कर दिया। सूत्रों के अनुसार केंद्र एक समीक्षा याचिका दायर करने की योजना बना रहा है। इस फैसले के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों द्वारा भेजे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति के लिए तीन महीने की समय-सीमा तय कर दी है। यह एक तरह से राष्ट्रपति की "पूर्ण वीटो" की शक्ति को छीन लेता है। तमिलनाडु मामले में फैसला न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की दो न्यायाधीशों वाली पीठ ने सुनाया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है

कि पुनर्विचार याचिका किस बात को चुनौती देगी। यह नहीं बताया गया कि केंद्र सरकार तय की गई समयसीमा की समीक्षा की मांग करेगी या राष्ट्रपति के पूर्ण वीटो को खत्म करने की। यह इस आधार पर भी पुनर्विचार की मांग कर सकती है कि केंद्र को मामले में अपनी दलीलें रखने का मौका नहीं मिला। यह तब स्पष्ट होगा जब सरकार सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। पुनर्विचार याचिका पर सरकार के शीर्ष स्तर पर चर्चा चल रही है और पूरी संभावना है कि इसे सर्वोच्च न्यायालय में दायर किया जाएगा। भारत के अटॉर्नी जनरल (एजी) आर. वेंकटरमणी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि इस मामले में राष्ट्रपति की बात सुनी जानी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि क्या केंद्र पुनर्विचार याचिका दायर करेगा।

द हिंदू ने एक अनाम वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पुनर्विचार के लिए एक याचिका तैयार की जा रही है। मामले में बहस के दौरान केंद्र के तर्कों को पर्याप्त रूप से दृढ़ता से नहीं दशार्या गया। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस ने बताया कि गृह मंत्रालय विधेयकों के संदर्भों को संसाधित करने और राज्यों को राष्ट्रपति के निर्णयों को संप्रेषित करने वाली नोडल एजेंसी - ने कानून के बिंदुओं में कुछ "कमियों" का हवाला दिया है क्योंकि यह मामला सीधे उसके अधिकार क्षेत्र से संबंधित है।

हल्द्वानी में धामी सरकार ने उठाया बड़ा कदम, अवैध मदरसे हुए सील

उत्तराखंड : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सख्त निर्देशों का पालन करते हुए राज्य के हल्द्वानी में स्थानीय प्रशासन एक्शन मोड में आया हुआ है। हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में प्रशासन ने अवैध तौर पर संचालित मदरसों के खिलाफ छापेमारी की है।

इस दौरान कई मदरसों को सील किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए है। ये इंतजाम इसलिए किए गए हैं क्योंकि इलाके में किसी तरह की अशांति ना फैले और कानून व्यवस्था भी बनी रहे। बता दें कि अपर जिला अधिकारी विवेक राय ने बताया है कि ये कार्रवाई उन मदरसों पर की गई है, जिनके पास मान्यता नहीं है। जिन मदरसों में शइक्षा विभाग व सरकार के नियमों का पालन नहीं हो रहा था उन्हें सील किया गया है। इन मदरसों ने बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता संबंधित मानकों का पालन किया है।

प्रशासन को पहले कुछ मदरसों के खिलाफ गंभीर शिकायतें मिली है। इनमें बच्चों के बैठने की व्यवस्था ना होना,

साफ सफाई की कमी, शौचालय ना होना, सीसीटीवी सुरक्षा व्यवस्था ना होगा। कई मदरसों में मस्जिदों में संचालित हो रहे थे। ये सरकारी नियमों के विरुद्ध है।

इस कार्रवाई के दौरान इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हुआ है। स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि किसी तरह की अफवाह से बचने व शांति बनाए रखें। प्रशासन का कहना है कि ये कार्रवाई अवैध तौर से संचालित हो रहे शिक्षण संस्थानों के खिलाफ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुछ दिन पहले ही निर्देश दिए थे कि राज्य में सभी मदरसों की जांच की जाए।

सुशासन की पहली शर्त है रूल ऑफ लॉ, समयबद्ध और सहज न्याय सरकार की प्राथमिकता: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) लखनऊ खंडपीठ के उद्घाटन कार्यक्रम में हुए शामिल

सांई मीडिया ब्यूरो

लखनऊ, 14 अप्रैलः* सुशासन की पहली शर्त है रूल ऑफ लॉ। यह समयबद्ध, सहज और सरल हो और एक कॉमन मैन के साथ सामान्य कार्मिक वहां तक पहुंच बना सके। उसकी समय पर सुनवाई और मेरिट के आधार पर मामलों का निस्तारण हो, यह जरूरी है। आज का दिन हम सभी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण क्योंकि भारत के संविधान के शिल्पी बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की पावन जयंती को दलित, वंचित और समाज के उपेक्षित वर्ग को न्याय दिलाने के महामानव के रूप में मनाते हैं। इसको लेकर सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है। हमारे न्यायालय में बहुत मामले लंबित पड़े हुए हैं। इन लंबित मामलों के लिए कोर्ट के अनावश्यक समय को जाया ना करना पड़े, इसके लिए ट्रिब्यूनल के स्तर पर मामलों की अलग से सुनवाई हो। इस मंशा के अनुरूप ट्रिब्यूनल ने देश में अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) लखनऊ खंडपीठ के उद्घाटन कार्यक्रम में कही। इस दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

योगी सरकार में भी कैट के भवन के लिए जमीन ट्रांसफर का काम शुरू हुआ : कंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सीएम योगी की तारीफ करते हुए कहा कि सीएम योगी के प्रयासों से ही कैट का भव्य भवन बनकर तैयार हुआ है क्योंकि आपकी ही सरकार में जमीन के ट्रांसफर का काम शुरू हुआ। सीएम ने 1,825 स्क्वायर फीट जमीन देने में सरकार ने तनिक भी देर नहीं लगायी। इस पर 18 करोड़ का निर्माण कार्य हुआ। ये सारा काम आपके सीएम योगी सहयोग से भी संपन्न हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ट्रिब्यूनल समयबद्ध तरीके से संबंधित पक्षों को मेरिट के स्तर पर न्याय प्रदान कर सके, यह सरकार की प्राथमिकता में है। कैट की भूमिका भी ऐसी ही है। केंद्रीय सरकार से जुड़े हुए विभिन्न सरकारी उपक्रम और शासकीय व्यवस्था से जुड़े हुए अधिकारियों और कार्मिकों को किसी

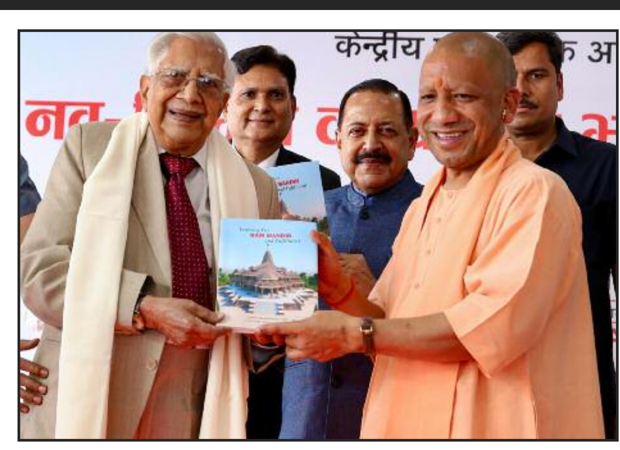

स्तर पर न्याय नहीं मिल पाया, उनके लिए प्लेटफॉर्म देने और समय पर न्याय देने में कैट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि फुल बेंच हो या सर्किट बेंच अगर उनके पास कोई भी संसाधन नहीं है तो वहां दूसरों को न्याय प्रदान करने के लिए कितने एग्रेसिव तरीके से अपने कार्य को आगे बढ़ा पाएंगे, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। आज यहां पर 16 जनपदों के केंद्रीय कार्मिकों के लिए कैट की व्यवस्था की गई है। यहां शानदार भवन बना करके तैयार हो गया है। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप किसी मजबूरी में कार्मिकों यहां आना पड़ा तो उन्हे न्याय उपलब्ध कराने में कैट महत्वपूर्ण भूमिका का निर्माण करेगा।

सीएम ने कहा कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप लखनऊ पीठ ने 10 वर्षों में कुल 6,700 मामलों में से 6,000 से अधिक मामलों का निस्तारण किया है, इसको अभी और तेज किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे मामलों में दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठा कर सुना जाए तो ऐसे ही बहुत सारे मामलों का निस्तारण हो सकता है। प्रदेश में वर्ष 2017 में राजस्व के 33 लाख मामले लंबित थे। इन बहुत सारे छोटे मामले थे। इस पर सरकार ने इन मामलों को मेरिट के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिये। इन मामलों को लेकर टाइम बाउंड किया गया। इसकी जवाबदेही के साथ ऑनलाइन मॉनीटरिंग की जाने लगी। पिछले आठ वर्षों में 34 लाख मामलों को निस्तारण किया गया जबकि पिछले 8 वर्षों में 10 लाख नये मामले आए। इन मामलों को भी टाइमलाइन के अनुसार निस्तारित किया जा रहा है। इससे सरकार के साथ कर्मचारियों को भी राहत मिलती है। उन्होंने कहा कि मुझे नव निर्मित भवन से कार्मिकों को समय पर न्याय मिलने के साथ शासन के अनावश्यक बोझ को भी कम करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर अध्यक्ष कैट नई दिल्ली न्यायमूर्ति, विभागाध्यक्ष कैट लखनऊ न्यायमूर्ति अनिल कुमार ओझा, प्रशासनिक सदस्य कैट लखनऊ संजय कुमार आदि उपस्थित थे।

डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती

डा भीमराव अंबेडकर जी के छायाचित्र पर जिलाधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पुष्पांजलि की गयी अर्पित

सांई मीडिया ब्यूरो

गौतम बुद्ध नगर 14 अप्रैल भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज आंबेडकर जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई।

इस अवसर पर जिला अधिकारी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अपर जिलाधिकारी भू0आ0 एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों तथा कलेक्ट्रेट के स्टाफ द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई।

भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के जयंती अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भारत के महापुरुष हैं। उन्होंने भारत के संविधान निर्मित होने में जो योगदान दिया है वह अनुकरणीय है। साथ ही उनका जीवन चरित्र हम सभी को सब के साथ एक जैसा व्यवहार करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सिद्धांतों से हमें धर्म, जाति, संप्रदाय अमीरी, गरीबी के भेदभाव को मिटाकर एक साथ रहने की प्रेरणा मिलती है। आज हम सभी को उनके आदर्शों का अनुकरण करने का संकल्प लेते हुए अपनी कार्यप्रणाली में उन्हें अनुकरण करना चाहिए ताकि भारत देश एवं समाज का ओर अधिक विकास तेजी से आगे बढ़ सके।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू0आ0 बच्चू सिंह एवं सूचना विभाग के लेखाकार अरुण कुमार तथा अन्य वक्ताओं ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के जीवन चरित्र पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडे, जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी ओमहरि उपाध्याय, अननेचुरल स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

इसी प्रकार मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी, विकास भवन के अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा बाबा साहब की छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के जीवन चरित्र पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा दी।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद के अन्य शासकीय कार्यालयों में भी भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर जी की जयंती को धूमधाम से मनाते हुए उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

पोषण पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत "जल स्वच्छता एवं स्वच्छ आदतों" पर विशेष जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित

सांई मीडिया ब्यूरो

गौतम बुद्ध नगर 14 अप्रैल जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतम बुद्ध नगर पूनम तिवारी ने बताया कि पोषण पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत "जल स्वच्छता एवं हाथ धोने की आदतों" को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य साफ पानी की महत्ता, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा समुदाय में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

मुख्य गतिविधियाँ:

हाथ धोने की गतिविधि (Hand Washing Activity):: आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं सामुदायिक स्थलों पर बच्चों एवं अभिभावकों को सही ढंग से हाथ धोने की विधि का प्रदर्शन किया गया। "स्वच्छ हाथ, स्वस्थ जीवन" की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

जल स्वच्छता पर संवाद (Discussion on Clean Water) स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकताओं एवं अधिकारियों द्वारा साफ पानी की उपलब्धता, उपयोग एवं जलजनित रोगों से बचाव के उपायों पर जानकारी साझा की गई।

स्वच्छता जागरूकता रैली (Awareness Rally) बच्चों और महिलाओं ने हाथों में स्लोगन वाली तख्तियाँ लेकर स्वच्छता रैली निकाली। स्लोगन जैसे "साफ पानी, सबकी ज़िम्मेदारी" एवं "हाथ धोएं, रोग भगाएं" ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जन सहभागिताः सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देते हुए स्थानीय निवासियों, माता-पिता, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सेविकाओं एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह समझाना था कि साफ पानी, हाथ धोने की आदतें और स्वच्छता से ही कुपोषण पर रोक लगाई जा सकती है और स्वस्थ समाज की नींव रखी जा सकती है।

पोषण पखवाड़ा 2025 की यह गतिविधि "स्वस्थ भारत, सशक्त भारत" के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर लोनी में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

सांई मीडिया ब्यूरो

गाज़ियाबाद डॉ. बी. आर. अंबेडकर जन्मोत्सव समिति, न्यू विकास नगर, लोनी, गाज़ियाबाद के तत्वावधान में भारतीय संविधान निमार्ता और समाज सुधारक भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह आयोजन न्यू विकास नगर, शनि मंदिर के निकट संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों,युवाओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य डॉ. अंबेडकर के सामाजिक न्याय, समानता, बंधुत्व और संविधान

निर्माण में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाना रहा।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, प्रेरणादायक भाषण, देशभक्ति गीत, नाटक और अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ प्रस्तुत की गईं। सभी प्रस्तुतियाँ डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके सामाजिक संदेशों पर केंद्रित रहीं, जो दर्शकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहीं।डॉ. बी. आर. अंबेडकर जन्मोत्सव समिति के संयोजन में हुए इस आयोजन में समिति के पदाधिकारियों, समाजसेवियों और सांस्कृतिक कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी रही, जिनके प्रयासों से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गुरुकुल खेड़ा खुर्द का 80 वाँ वार्षिक उत्सव संपन्न

गुरुकुल से निकले छात्रः राष्ट्र भक्त होते हैं- राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सांई मीडिया ब्यूरो

दिल्ली 14 अप्रैल को दिल्ली देहात में स्थित वैदिक शिक्षा का केंद्र गुरुकुल खेड़ा खुर्द का वार्षिक उत्सव सोल्लास संपन्न हुआ।यहां 125 विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है।

मुख्य अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि गुरुकुल भारतीय संस्कृति की रक्षा का केंद्र है यहा शिक्षा पाया व्यक्ति राष्ट्र भक्त होता है व आत्म हत्या नहीं करता क्योंकि आत्म विश्वास मजबूत होता है साथ ही यहां राष्ट्र भक्ति की भावना भरी जाती है। देश की आजादी के आंदोलन में सबसे अधिक

योगदान आर्य समाज का रहा।उस समय आर्य समाज को विद्रोही संस्था माना जाता था।सादा जीवन उच्च विचार गुरुकुल की विशेषता है जहां अमीर गरीब में कोई पक्ष पात नहीं होता।हमें ऐसी संस्थाओ का सहयोग करना चाहिए जिससे संस्कारित युवा तैयार हो गुरुकुल के प्रधान चौधरी ब्रह्म प्रकाश मान ने कहा कि यहां 170 गाय की गौशाला है जिनकी यहां सेवा की जाती है।उन्होंने सभी आर्य जनों का धन्यवाद ज्ञापन किया। आचार्य राजकुमार शास्त्री ने यज्ञ करवाया।कुशल संचालन आचार्य सुधांशु ने किया।प्रमुख रूप से सोहन लाल मुखी, राजीव आर्य, रामानंद आर्य ,आर्य तपस्वी सुखदेव,एसीपी दिनेश कुमार, अंगद सिंह आर्य, भोपाल सिंह आर्य, प्रणवीर आर्य आदि उपस्थित थे।

भोजपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता

सांई मीडिया ब्यूरो

गाजियाबाद मोदीनगर। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव ईशाकनगर के पास रविवार रात भोजपुर पुलिस और गिरोह पंखिया के बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरोह के तीन बदमाश पकड़ लिए जबकि एक बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। पैर में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से नकदी और तमंचे बरामद किए है। गिरोह ने बीते 26 मार्च को भोजपुर के गांव अमराला में निजी कंपनी के प्रबंधक रजनीश शर्मा और किसान अजीत को गोली मारकर घायल कर दिया था। इसके अलावा बदमाशों ने नंगलाबेर में घर में सो रही महिला जगरोशनी के कांनों के कुडंल लूट लिए थे।

डीसीपी ग्रामीण जोन सुरेन्द्र नाथ तिवारी और एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि भोजपुर पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम बीते 26 मार्च को भोजपुर के गांव अमराला में हुई घटना के खुलासे में लगी थी। रविवार रात एसओ भोजपुर टीम के साथ फरीदनगर क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। तभी जंगल में चार संदिग्ध दिखाई दिए । पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो संदिग्ध पुलिस पर फायरिंग करते हुए जंगल की तरफ भाग गए। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। दोनों तरफ से कई रांउड फायरिंग हुई। पुलिस ने घेराबंदी कर तीन संदिग्धों को पकड़ लिया और उनका एक साथी मौके का फायदा उठाकर भाग गया। पैर में गोली लगने से एक आरोपी घायल हो गया। पकड़े गए संदिग्ध अंतरराज्यीय गिरोह पंखिया के बदमाश निकले। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के नाम इतवारी,भारत और पदम उर्फ विष्णु व फरार बदमाश का नाम अवतार बताया। सभी बदमाश जनपद शाहजहांपुर स्थित ग्राम ईशापुर थाना निगोही के रहने वाले है। इतवारी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पकड़े गए बदमशों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह दिन में गांव-गांव जाकर खुर्जा की क्रॉकरी बेचने के बहाने रैकी करते थे और रात में मौका देखकर चोरी,लूट और डकैती की घटनाओं को अंजाम देते थे। विरोध करने पर वह गोली मार कर भाग जाते थे। बदमाशों ने बताया कि बीते 25 मार्च को गांव अमराला में रैकी की और चोरी व लूट का ताना बाना बुना। बताया कि 26 मार्च की रात को वह अमराला गांव में घटना को अंजाम देने जा रहे थे तभी रास्ते में एक निजी कंपनी के प्रबंधक रजनीश शर्मा अपनी पत्नी और बहन के साथ टहलते मिले। महिलाओं से लूट का प्रयास किया तो उन्होने रजनीश शर्मा को गोली मार दी और महिलाओं के कुंडल लेकर भाग गए। इसके बाद एक मकान का ताला काटकार चोरी का प्रयास किया। वहां कुछ सामान नहीं मिला तो किसान अजीत के घर लूट का प्रयास किया। इसके बाद उन्होने समीपवर्ती गांव नंगलाबेर में घर में सो रही महिला जगरोशनी से कुंडल लूटे। गहने बेचकर उन्होने रकम आपस में बांट ली। पुलिस के अनुसार पंखिया गिरोह के बदमाश बेहद शातिर है और वह मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करते। पकड़े गए तीनों बदमाशों पर प्रदेश के अलग अलग जनपदों में पांच- पांच से ज्यादा मुकदमें दर्ज है।

समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर ने डॉ भीमराव आंबेडकर जी की जयंती धूमधाम से मनाई.....

सांई मीडिया ब्यूरो

नोएडा समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर ने महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के अध्यक्षता में बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर जी की जयंती सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय सेक्टर 53 कंचनजंगा मार्केट में धूमधाम से मनाई।

सपा महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि बाबा साहब ने संसार में समरसता, एकता का काम किया। डॉ भीमराव आंबेडकर ने संविधान में अमीर-गरीब, छोटे-बड़े सभी के लिए एक वोट का प्रावधान किया था। गरीबों, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ों को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने की व्यवस्था के लिए उनके प्रयासों को भुलाया नहीं जा सकता।समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव जयकरण चौधरी व विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान ने कहा कि डॉ आंबेडकर ने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में अहम भूमिका निभाई। बाबा साहब ने घोर अन्याय, अपमान को सहकर हम सभी को न्याय, सम्मान संविधान के माध्यम से दिया। वरिष्ठ नेता देवेंद्र गुर्जर ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक गैर बराबरी को बाबा साहब खत्म करना चाहते थे, लेकिन उसे पूरा नहीं कर पाए। उपाध्यक्ष मोहम्मद नौशाद व महिला सभा की अध्यक्ष शालिनी खारी ने कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि राजनैतिक सत्ता वह चाभी है, जिससे हर सामाजिक ताले खोले जा सकते है। महासचिव विकास यादव ने कहा कि बाबा साहब ने एक सुंदर संविधान दिया। इससे हम सबको समानता के रूप में जीने का हक है। भाजपा शासन में दलितो को नौकरियों से वंचित किया जा रहा है। बाबा साहब ने हमें विपरीत परिस्थितियों में एक पवित्र संविधान दिया। इस कार्यक्रम के उपरांत नोएडा महानगर संगठन की टीम नोएडा में बाबा साहब के लिए हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में भाग लिया।

आज के इस कार्यक्रम में मौजूद मुख्य लोगों में मोहम्मद तसलीम,रामवीर यादव, वीरपाल प्रधान, महकार तंवर ,बबली शर्मा, राम सहेली, कमल सिंह गौतम,बाबा जयवीर ,सौरभ चौहान , बिल्लू सैफी, राणा मुखर्जी, उदय सिंह,देवेंद्र खारी , तनवीर हुसैन, लोकेश यादव, शेखर यादव, गौरव,अच्छे मियां, रेणुका मेथी, लक्ष्मी दास, मोहम्मद चांद, गुलजार अल्वी, अमित ,विमला, मनोज यादव ,रूप सिंह,साहिल शेख ,अमित यादव, सिकंदर पासवान, साहिल चौधरी,मुख्य रूप से मौजूद रहे।

ओबीसी रिजर्वेशन बढ़ाने की तैयारी, 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में जातिगत जनगणना आयोग ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण को वर्तमान 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश की है। यदि यह सिफारिश लागू होती है, तो राज्य में कुल आरक्षण का आंकड़ा 85प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। इसमें 10प्रतिशत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और 24 प्रतिशत अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए पहले से आरक्षित हैं।

आयोग ने अपनी सिफारिशों में कहा है कि हाल ही में कराए गए सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण (जातिगत जनगणना) के अनुसार, कर्नाटक की जनसंख्या में ओबीसी वर्ग की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है। इसके आधार पर आयोग ने आरक्षण को जनसंख्या के अनुपात में लागू करने की बात कही है ताकि सरकारी सुविधाओं और अवसरों का समान वितरण सुनिश्चित हो सके।

आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि सर्वेक्षण में पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या 69.6 प्रतिशत पाई गई, फिर भी राज्य की आधे से भी कम आबादी को आरक्षण का लाभ मिल रहा है। यदि आबादी के आधार पर आरक्षण नहीं दिया गया तो सरकारी सुविधाएं समान रूप से वितरित नहीं होंगी।

सूत्रों ने बताया कि सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार 1ए श्रेणी में पिछड़े समुदायों की जनसंख्या 34,96,638, 1बी- 73,92,313, 2ए- 77,78,209, 2बी- 75,25,880, 3ए- 72,99,577 और 3बी श्रेणी में पिछड़े समुदाय की जनसंख्या 1,54,37,113 है। सूत्रों ने बताया कि इस तरह अन्य पिछड़ी जातियों की कुल जनसंख्या 4,16,30,153 है। रिपोर्ट का हवाला देते हुए सूत्रों ने दावा किया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या क्रमशः 1,09,29347 और 42,81,289 है।

आपको बता दें कि सर्वेक्षण की शुरुआत 2015 में एच कंथराज द्वारा की गई थी और बाद में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े ने इसे पूरा किया और फरवरी 2024 में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को रिपोर्ट सौंपी।

क्षैतिज आरक्षण की भी सिफारिश: आयोग ने सिफारिश की है कि राज्य सरकार नौकरी और शिक्षा में क्षैतिज आरक्षण को भी लागू करे। इस नीति के तहत महिलाओं, दिव्यांगजनों और अन्य विशेष वर्गों को हर आरक्षित वर्ग के भीतर अलग कोटा मिलता है। उदाहरण के तौर पर ओबीसी वर्ग में महिलाओं या दिव्यांगों के लिए अलग से आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

आगामी कैबिनेट बैठक में होगा फैसला: यह बहुप्रतीक्षित जातिगत जनगणना रिपोर्ट फरवरी 2024 में सरकार को सौंपी गई थी, जिसे शुक्रवार को सिद्धारमैया कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सरकार अब इस रिपोर्ट पर चर्चा के लिए 17 अप्रैल को विशेष कैबिनेट बैठक आयोजित करेगी, जिसके बाद सिफारिशों को लागू करने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

यदि यह सिफारिश लागू होती है, तो यह कर्नाटक की राजनीति और समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि 85 प्रतिशत कुल आरक्षण पर संविधानिक और न्यायिक प्रतिक्रियाएं क्या होती हैं।

एनडीए से नाता तोड़ते ही रची गई आकाली दल को खत्म करने की साजिशः सुखबीर बादल

अमृतसर, एजेंसी। अमृतसर में शिरोमणि अकाली दल के अधिवेशन में पार्टी अध्यक्ष के रूप में दोबारा निर्विरोध चुने गए सुखबीर सिंह बादल ने शनिवार को आरोप लगाया कि जब से उनकी पार्टी ने 2020 में एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) से नाता तोड़ा, तभी से उसे खत्म करने की साजिश शुरू हो गई थी। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश बताया और कहा कि बीते छह महीनों में इस साजिश को और तेजी से अंजाम दिया गया है।

बादल ने कहा, हमने किसानों के हक में एनडीए छोड़ा था। जब तक हम एनडीए में थे, तब तक केंद्र को किसी भी अन्याय को अंजाम देने नहीं दिया। लेकिन उसके बाद केंद्र ने अपने लोगों को आगे कर दिया। श्री हजूर साहिब और पटना साहिब जैसे गुरुद्वारा बोर्ड्स को अपने नियंत्रण में लाने की कोशिश की गई।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को हथियाने के लिए उसके नेताओं को बीजेपी में शामिल कर लिया और हरियाणा में एक नई गुरुद्वारा कमेटी बना दी। बादल ने जत्थेदारों पर भी निशाना साधा और कहा, कुछ जत्थेदार, जिन्हें पंथिक हितों के रक्षक की भूमिका में होना चाहिए था, उन्होंने इन ताकतों के इशारे पर काम किया और पंथ के फैसलों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।

उन्होंने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को बधाई देते हुए कहा कि कमेटी ने हमारे तख्तों से उन ताकतों का कब्जा हटाया जो सिख विरोधी थीं। सुखबीर बादल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि 2027 में शिअद को फिर से सत्ता में लाने की तैयारी करें। उन्होंने वादा किया कि अगली सरकार माफिया राज और गैंगस्टर कल्चर का पूरी तरह खात्मा करेगी। साथ ही पंजाब को देश का नंबर एक राज्य बनाने और सभी वर्गों, किसानों से लेकर कमजोर तबकों तक को उनका हक दिलाने की बात कही। बादल ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल की बरसी 25 अप्रैल को लंबी में मनाए जाने की भी घोषणा की और पार्टी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भूंदड़ को पार्टी के संकट काल में दिए गए योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

संक्षिप्त समाचार

बकरियों ने खाए पीपल के पत्ते, दबंग ने माफी मांगने पर भी चरवाहे को मार दी गोली

मैनपुरी, एजेंसी। यूपी के मैनपुरी में बकरी ने पीपल के पत्ते खा लिए तो चरवाहा को गोली मार दी गई। पीपल के पेड़ के पत्ते खिलाने पर ग्रामीण चरवाहे को गोली मारकर घायल कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। घायल चरवाहे को बेवर अस्पताल लाया गया, जहां से इसकी हालत देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। आरोपी के खिलाफ तहरीर दी गई तो पुलिस ने उसकी तलाश में दबिश दी लेकिन वह भाग निकला। बताया जा रहा है कि घटना शनिवार दोपहर बाद की है। जानकारी के अनुसार जनपद कन्नौज के विशुनगढ़ थाना क्षेत्र के कस्बा विशुनगढ़ निवासी बुद्धपाल पुत्र रामनाथ पाल, मनोज कुमार पुत्र सिपाहीलाल, प्रदीप कुमार पुत्र राकेश के साथ बकरियां चरा रहा था। बेवर थाना क्षेत्र के ग्राम नंदुलिया गांव के निकट बकरियों ने पीपल के पेड़ के पत्ते खा लिए। तभी वहां पहुंचे संतोष दुबे पुत्र लल्लू दुबे निवासी चिरावर ने गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उसने ब्रह्मपाल को गोली मार दी। गोली उसकी गर्दन के निकट लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। साथी चरवाहों ने बताया कि ब्रह्मपाल ने बकरियों द्वारा पत्ते खाने की बात पर संतोष से माफी भी मांगी लेकिन वह फिर भी नहीं माना और गोली मार दी। सूचना मिलते ही सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा, थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। घायल को अस्पताल भेजा गया। जहां से उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि दबिश दी जा रही है जल्द आरोपी की गिरफ्तारी होगी और उसे जेल भेजा जाएगा। मामले में जांच की जा रही है और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैंकॉक से जूतों में छिपाकर ला रहा था 6.3 करोड़ का सोना, मुंबई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

मुंबई , एजेंसी। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आ रहे एक यात्री के जूतों से करीब 6.3 करोड़ मूल्य का सोना बरामद हुआ है। मामले की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान इतनी बड़ी मात्रा में सोना बरामद होने के बाद यात्री को हिरासत में ले लिया गया है। इसके साथ ही सोना तस्करी से जुड़े एक संभावित खरीददार को भी गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक डीआरआई के अधिकारियों को इस बात की खुफिया जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर डीआरआई के अधिकारियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे एक यात्री को रोका। उसकी तलाशी लेने पर उसके जूतों में 6.7 किलोग्राम सोना बरामद हुआ.. अधिकारियों के मुताबिक इस सोने की कीमत करीब 6.3 करोड़ रुपए आंकी गई है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल शख्स से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही इस सोने का वह क्या करने वाला था.. क्या वह पहले भी ऐसी तस्करी कर चुका था इस बारे में जानकारी निकाली जा रही है।

'इंडिया गठबंधन का क्या हुआ, जमीन में दबा या हवा में गायब, कांग्रेस को उद्धव सेना ने खूब सुनाया

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस को इंडिया गठबंधन की स्थिति के बारे में बात करनी चाहिए। अहमदाबाद में पार्टी के हालिया अधिवेशन में विपक्षी गठबंधन के बारे में सवालों का जवाब देना चाहिए था। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय लेख में कहा कि कांग्रेस ने अहमदाबाद के पार्टी अधिवेशन में केवल अपने बारे में बात की और इंडिया की कहीं भी चर्चा में नहीं हुई। पार्टी ने कहा, 'लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन की स्थिति क्या है, इस पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस को अपने अहमदाबाद अधिवेशन में इस पर विचार करना चाहिए था।' शिवसेना (यूबीटी) ने सवाल करते हुए कहा, 'गठबंधन का क्या हुआ? क्या यह जमीन में दब गया या हवा में गायब हो गया? इस सवाल का जवाब देने की जिम्मेदारी कांग्रेस अध्यक्ष की है।' कांग्रेस ने 8-9 अप्रैल को गुजरात में अपना अधिवेशन आयोजित किया। राज्य में कांग्रेस 2 दशकों से सत्ता से बाहर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने अधिवेशन में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। उद्धव सेना ने बिहार, गुजरात और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस का रुख भी जानना चाहा।

गाजियाबाद में आर्बिटल रेल कॉरिडोर का रूट अलाइनमेंट फाइनल, आसपास लगेंगे उद्योग

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद में ईस्टर्न ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर प्रोजेक्ट (ईओआरसी) का रूट अलाइनमेंट फाइनल हो गया। यह कॉरिडोर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के आउटर में तैयार होगा। कॉरिडोर के किनारे उद्योग भी लगाए जाएंगे।

मुख्य सचिव ने हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रेक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को सर्वे कर डिटेल फिजिबिलिटी स्टडी रिपोर्ट तैयार करने की मंजूरी दे दी। अब इसे तैयार कर शासन को भेजा जाएगा। लखनऊ में मुख्य सचिव को हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रेक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने गूगल अर्थ पर मार्क करते हुए अलाइमेंट का प्रजेंटेशन दिया। इसमें इस कॉरिडोर को ईस्टर्न पेरिफेरल के आउटर में बनाने की बात कही गई। इसमें आबादी, मार्ग, रेल क्रॉसिंग और अन्य के बारे में भी जानकारी दी गई। तर्क किया गया कि आबादी को देखते हुए शहर की तरफ कॉरिडोर का निर्माण करने में दिक्कत आएगी। ऐसे में ईस्टर्न पेरिफेरल के आउटर यानी मसूरी की तरफ कॉरिडोर तैयार करना आसान होगा। प्रजेंटेशन को देखने के बाद शासन ने एचआरआईडीसी को विस्तृत सर्वे कर डिटेल फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दे दिए। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने बताया कि अब इस प्रोजेक्ट में कॉरिडोर के रूट के बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी। इसके बाद यह रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। जहां से आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। बता दें कि इससे पूर्व हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रेक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधियों ने जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स को भी प्रजेंटेशन दिया था। प्रोजेक्ट के पूरा होने से गाजियाबाद क्षेत्र में विकास को रफ्तार मिलेगी। कॉरिडोर के पास औद्योगिक हब बनेंगे। साथ ही लॉजिस्टिक पार्क भी विकसित हो सकेंगे। इससे रोजगार की संभावना भी बढ़ेगी। ईस्टर्न ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 135 किलोमीटर है। यह रेल कॉरिडोर दो राज्यों उत्तर प्रदेश और हरियाणा में फैला हुआ है। इसके तैयार होने के बाद दिल्ली में व्यावसायिक ट्रेनों की आवाजाही बंद हो जाएगी।

केरल में प्रदर्शन के दौरान दिखाई गई तस्वीरों से बढ़ा विवाद

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल में वक्फ संसोधन बिल विरोधी प्रदर्शन में मुस्लिम ब्रहदहुड और हमास के चरमपंथी नेताओं की तस्वीरों के दिखाई देने से राज्य में राजनैतिक विवाद बढ़ गया है। बुधवार को जमात-ए-इस्लामी से जुड़े सॉलिडेरिटी यूथ मूवमेंट और स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन द्वारा इंटरनेशनल हवाई अड्डे तक निकाली गई रैली में चरमपंथी नेताओं की तस्वीरें लहराई गईं। इस प्रदर्शन के दौरान कट्टरपंथी नेताओं की तस्वीरें दिखाने का माकपा, भाजपा और कई मुस्लिम विद्वानों ने विरोध किया।

भारतीय जनता पार्टी ने इस मामले को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन एलडीएफ और विपक्षी यूडीएफ दोनों की कड़ी आलोचना करते हुए मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। भाजपा की तरफ से कहा गया कि राज्य में पार्टियों की वोट बैंक साधने की नीतियों की वजह से आतंकवादी संगठन पनप रहे हैं। इतना ही नहीं भाजपा नेता के सुरेंद्रन ने विरोध प्रदर्शन के दौरान मुस्लिम ब्रदरहुड और हमास जैसे चरमपंथी संगठनों के नेताओं के प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए।

सुरेंद्रन ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए पूछा कि भारत की संसद द्वारा पारित किए गए एक कानून के विरोध में मुस्लिम ब्रदरहुड के संस्थापक की तस्वीरें क्यों लेकर आए? ऐसे समय में जब इस संगठन को इसके संस्थापक देश मिस्र में भी प्रतिबंधित कर दिया है.. संयुक्त राष्ट्र भी इसे एक चरमपंथी समूह मानता है तो फिर इसमें केरल के नेताओं की क्या भूमिका है?

वहीं दूसरी तरफ वरिष्ठ माकपा नेता एम वी जयराजन ने इस घटना को लेकर जमात ए इस्लामी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे पर आतंकवादी संगठन के नेताओं की तस्वीरें प्रदर्शित करने से उनके असली इरादे उजागर हो गए हैं। जयराजन ने फेसबुक पर लिखे अपने पोस्ट में कहा, देश की धर्मनिरपेक्ष ताकतों द्वारा ऐसी गतिविधियों का कड़ा विरोध किया जाना चाहिए और उन्हें साथ मिलकर हराना चाहिए।

जयराजन ने कहा कि जमात ए इस्लामी संघ के काम को ही आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उनके द्वारा किए गए इस काम से केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ जो प्रदर्शन हो रहा है वह कमजोर होगा। कई मुस्लिम विद्वान भी जयराजन के इस बात से सहमत होते हुए दिखाई दिए।

शिंदे-पवार के बीच तकरार कम कराने की कोशिशें तेज

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने दो दिवसीय महाराष्ट्र दौरे के दौरान शनिवार को एनसीपी के वरिष्ठ सांसद और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के निवास पर दोपहर का भोजन किया। इस मुलाकात ने प्रदेश की राजनीतिक हलचलों को एक नई दिशा दे दी है, खासकर जब बीजेपी, शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के बीच अहम मंत्रालयों को लेकर खींचतान चल रही है।

यह बैठक ऐसे समय पर हुई है जब रायगढ़ और नाशिक जिलों में संरक्षक मंत्री पद को लेकर सहयोगी दलों में तनाव बना हुआ है। इस साल की शुरुआत में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नाशिक और रायगढ़ के लिए बीजेपी के गिरीश महाजन और एनसीपी की अदिति तटकरे (सुनील तटकरे की बेटी) को संरक्षक मंत्री नियुक्त किया था, लेकिन 24 घंटे के भीतर ही यह आदेश रद्द कर दिए गए।

शिवसेना का दावा है कि रायगढ़ जिले में उसके विधायक अधिक हैं, इसलिए उसे वहां संरक्षक मंत्री पद मिलना चाहिए। साथ ही, पार्टी नाशिक के लिए भी अपने प्रतिनिधि की मांग कर रही है। दूसरी ओर, एनसीपी अपने पक्ष पर कायम है, जिससे गठबंधन के भीतर शक्ति संघर्ष की स्थिति बन गई है। सुनील तटकरे के घर अमित शाह का भोजन केवल औपचारिकता नहीं माना जा रहा है, बल्कि गठबंधन की अंदरूनी राजनीति को सुलझाने या नए समीकरण बनाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। ऐसे समय पर शाह की यह मुलाकात साफ संकेत देती है कि बीजेपी संभावित असंतुलन को संतुलित करने की कोशिश में जुटी है।

अभी चुनावों की प्रक्रिया इतनी लंबी है कि देश की प्रगति रुक जाती हैः शिवराज सिंह चौहान

पटना, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वन नेशन-वन इलेक्शन के मुद्दे पर पटना के रामकृष्ण द्वारका कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि देश में अभी चुनावों की प्रक्रिया इतनी लंबी और निरंतर चलने वाली है कि इससे देश की प्रगति रुक जाती है। चौहान ने कहा कि राजनीतिक दल हर साल किसी न किसी चुनाव की तैयारी में लगे रहते हैं, जिससे विकास की गति धीमी हो जाती है। अब समय आ गया है कि देश के हर वर्ग की यही मांग है कि चुनाव एक साथ होने चाहिए ताकि संसाधनों और समय का सही उपयोग किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान, बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे और उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा भी उपस्थित थे। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। शिवराज सिंह चौहान ने वन नेशन-वन इलेक्शन के पक्ष में अपने विचार रखते हुए कहा कि जब एक राज्य में चुनाव होते हैं, तो वहां पर अन्य राज्यों के अधिकारी भी चुनावी कार्यों में जुट जाते हैं। चुनाव आयोग, सुरक्षा बल और अन्य प्रशासनिक अधिकारी राज्य की सामान्य कार्यप्रणाली को छोड़कर चुनावों में व्यस्त हो जाते हैं, जिससे राज्य का प्रशासनिक काम ठप पड़ जाता है।

चौहान ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों में चुनाव होते हैं, तो वहां की पूरी पुलिस और अर्धसैनिक बल चुनावी कार्यों में लगे होते हैं। इसके अलावा, चुनाव आयोग के कर्मचारी और अधिकारी भी अलग-अलग विभागों के काम छोड़कर चुनाव कार्यों में लग जाते हैं। उन्होंने बताया कि हर जगह चुनावी तैयारियों के दौरान सरकारी कर्मचारियों जैसे शिक्षकों, आशा कार्यकर्ताओं को अपने नियमित कार्यों से हटा दिया जाता है। वे चुनाव के दौरान वोटर लिस्ट बनवाना, घर-घर जाकर नामों की सूची अपडेट करने का काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब चुनाव होते हैं तो विभिन्न राज्यों के अधिकारी और सैनिक बल उन राज्यों में भेजे जाते हैं, जहां चुनाव हो रहे होते हैं, जिससे वहां की सुरक्षा-व्यवस्था भी प्रभावित होती है। सुरक्षा बलों का प्राथमिक उद्देश्य जनता की सेवा होना चाहिए, लेकिन वे चुनाव कराने में व्यस्त रहते हैं। चौहान ने कहा, वन नेशन-वन इलेक्शन की प्रक्रिया से न केवल चुनावी खर्च में कमी आएगी, बल्कि सरकारी संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल भी होगा और देश की प्रगति में कोई रुकावट नहीं आएगी।

फरीदाबाद स्टेशन पर जल्द मिलेगी पार्किंग की सुविधा, इस डेट तक खड़ी हो रही 4 मंजिला इमारत

फरीदाबाद , एजेंसी। ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर पार्किंग की सुविधा जल्द मिलेगी। दावा है कि 30 मई तक छह और चार मंजिला पार्किंग स्थल का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। इसके बाद एक साथ ढाई सौ कार और साढ़े तीन सौ बाइक एक साथ खड़ी हो सकेंगी। फरीदाबाद रेलवे स्टेशन को शहर का बड़ा स्टेशन माना जाता है। यहां लंबी और कम दूरी की करीब 90 ट्रेन का ठहराव है। साथ ही रोजाना करीब 30 हजार यात्री इस रेलवे स्टेशन से दिल्ली, गाजियाबाद, मथुरा, कोसीकलां के अलावा मुंबई, राजस्थान, कोटा, इंदौर, दक्षिण भारत के विभिन्न शहरों के लिए ट्रेन पकड़ते हैं। लिहाजा यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधा के लिए केंद्र सरकार की अमृत योजना के तहत फरीदाबाद रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि करीब 262 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन परिसर बहुमंजिला इमारत बनाए जा रहे हैं। प्लेटफार्म पर भी विकास कार्य किया जा रहा है। साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन परिसर में करीब 59 करोड़ रुपये की लागत से पार्किंग की भी सुविधा की जा रही है। बताया जा रहा है कि निमार्णाधीन पार्किंग स्थल का करीब 90 फीसदी काम पूरा हो गया है। इसके बाद इसे वाहनों के लिए खोले जाने की योजना बनाई जाएगी। जानकारी के अनुसार ओल्ड फरीदाबाद की ओर बनने वाली छह मंजिला इमारत में मल्टी स्टोरी पार्किंग के अलावा ऊपरी दो मंजिलों पर रेलवे अधिकारियों, कर्मियों के बैठने के लिए कार्यालय होगा।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों को सरकार का ऑफर, एलएमजी लाएं 5 लाख पाएं

मनपसंद रोजगार भी देगी सरकार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद जड़ से खत्म करने को सरकार बड़ा ऑफर लेकर आई है। सरकार हिंसा का रास्ता छोड़कर सरेंडर करने वाले नक्सलियों को सुरक्षा के साथ-साथ लाखों रुपये की प्रोत्साहन राशि देने जा रही है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों को शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार- व्यवसाय से जोड़ा जाएगा। इस नई नीति के जरिये सरकार नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में लाकर उन्हें सामान्य जिंदगी जीने का अवसर देने जा रही है। नई नीति में सरेंडर करने वाले नक्सलियों और उनके परिवार के प्रति संवेदनशील पहल करते हुए विष्णुदेव साय सरकार ने ऐसे ऑफर शुरू किए हैं।

%%छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत-पुनर्वास नीति 2025%% को लागू करना छत्तीसगढ़ सरकार की राज्य में शांति बहाली, विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कहना है कि जो हथियार छोड़ेंगे, उन्हें भय नहीं, बल्कि सम्मान मिलेगा। वर्षों से जंगल-जंगल भटक रहे युवा जो किसी भ्रम या दबाववश नक्सली संगठन में शामिल हो गए हैं, उनके लिए यह नीति एक नया जीवन शुरू करने का अवसर है। आत्मसमर्पण कर वे न केवल खुद का, बल्कि अपने परिवार और समाज का भविष्य भी सुरक्षित कर सकते हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हिंसा किसी समस्या के समाधान का रास्ता नहीं है। हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने वाले नक्सलियों को सुरक्षित भविष्य और रोजगार देने हमारी सरकार हरसंभव मदद करेगी। बता दें कि इससे पहले नक्सल मुक्त गांव को 1 करोड़ देने की घोषणा की गई है।

नई नीति में हथियारों के साथ सरेंडर करने वाले नक्सलियों को सरकार ने लाखों रुपये मुआवजा राशि देने का ऐलान किया है। एलएमजी के साथ सरेंडर करने वाले नक्सली को 5 लाख रुपये मुआवजे के तौर मिलेंगे। इसी तरह एके-47, त्रिची असॉल्ट राइफल पर 4 लाख रुपये, मोर्टार पर 2.50 लाख रुपये, एसएलआर- इंसास रायफल पर 2 लाख रुपये, एक्स 95 असाल्ट राइफल, एमपी-9 टेक्टिल पर 1.50 लाख रुपये, थ्री नॉट थ्री राइफल पर 1 लाख रुपये, एक्स-कैलिबर पर 75 हजार रुपये और यूबीजीएल अटेचमेंट पर 40 हजार रुपये, 315/12 बोर बंदुक पर 30 हजार रुपये, ग्लॉक पिस्टल पर 30 हजार रुपये के साथ ही अन्य छोटे हथियारों जैसे कार्बाइन, रिवॉल्वर, वायरलेस, डेटोनेटर आदि पर भी मुआवजा राशि का प्रावधान है। हर सरेंडर नक्सली भले ही उसके पास हथियार हों या न हों, उसे 50 हजार रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यदि कोई सरेंडर करने वाला नक्सली, नक्सलियों द्वारा छिपाए गए आईईडी या विस्फोटकों की सूचना देकर उन्हें बरामद कराता है तो उसे 15,000 से 25,000 तक की अतिरिक्त राशि दी जाएगी। बड़े हथियार डंप या विस्फोटक सामग्री की जानकारी देने पर एक लाख रुपये तक का इनाम मिलेगा। सरेंडर नक्सली यदि विवाह करने का इच्छुक हैं तो उसको एक लाख की विवाह अनुदान राशि भी दी जाएगी। यदि पति और पत्नी दोनों आत्मसमर्पित नक्सली हैं तो उन्हें एक इकाई मानते हुए यह लाभ दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा घोषित इनामी सूची में शामिल नक्सली के सरेंडर पर उन्हें पूरी इनामी राशि नियमों के अनुसार दी जाएगी। राज्य सरकार की इस नीति के साथ-साथ भारत सरकार की पुनर्वास योजनाओं का लाभ भी आत्मसमर्पित नक्सलियों को मिलेगा।

सर्प दोष से मुक्ति पाने को 7 महीने की बेटी को मार डाला, कोर्ट ने मां को सुनाई फांसी की सजा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए अपनी सात महीने की मासूम बेटी की बलि देने वाली एक 32 वर्षीय गृहिणी को सूर्यापेट की एक स्थानीय अदालत ने शुक्रवार को मृत्यु दंड की सजा सुनाई। आरोपी महिला बी भारती उर्फ लस्या को अदालत ने यह सजा दुर्लभ से दुर्लभतम मामला मानते हुए सुनाई। यह घटना 15 अप्रैल 2021 की है, जब भारती ने अपने घर में विशेष पूजा के दौरान अपनी बच्ची की गला रेतकर और जीभ काटकर हत्या कर दी थी।

घटना के समय घर में उसका बीमार ससुर मौजूद था, जिसने बच्ची की चीखें सुनकर शक होने पर देखा कि भारती खून से सने कपड़ों में बाहर जा रही है। ससुर ने तुरंत बेटे और पड़ोसियों को सूचित किया। बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। भारती के पति बी कृष्णा ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया, मेरी पत्नी ने पूजा के दौरान कहा कि उसने हमारी बेटी की बलि देकर सर्प दोष से मुक्ति पाई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भारती को गिरफ्तार किया और जांच शुरू की। कृष्णा ने बताया कि भारती पहले से मानसिक समस्याओं से जूझ रही थी और एक ज्योतिषी ने उसे सर्प दोष होने की बात कही थी, जिससे वह मानसिक रूप से बेहद प्रभावित हो गई थी। परिवार ने खम्मम के एक मानसिक चिकित्सक से परामर्श लिया था, लेकिन भारती ने दवाएं नहीं लीं। 2023 में भारती ने अपने पति पर भी एक किलो वजनी पत्थर से सोते समय हमला किया।

नाबालिग की चाकू घोपकर हत्या, तीन नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पूर्वी जिले के गोविंदपुरी इलाके में शनिवार देर रात एक 17 वर्षीय नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक की पहचान कृष के रूप में हुई है। गोविंदपुरी थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर तीन नाबालिग को पकड़ा। पूछताछ में नाबालिगों ने खुलासा किया कि मृतक उनके साथ स्कूल में पढ़ता था। वह छोटी-छोटी बातों पर उनकी पिटाई करता था। उसने उन्हें धमकी दी थी कि वह उन्हें और उनके परिवारों को नुकसान पहुंचाएगा। मार पिटाई से तंग आकर तीनों नाबालिगों ने मृतक को सबक सीखने की योजना बनाई। बीती रात उसे बात करने के लिए बुलाया और उसके ऊपर चाकू से हमला किया। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि कृष परिवार के साथ भूमिहीन कैंप में रहते थे। परिवार में पिता, मां व एक छोटी बहन है। कुछ समय पहले ही कृष ने स्कूल छोड़ा था। वह बदरपुर, सीमेंट की दुकान में काम कर रहा था। डीसीपी के मुताबिक शनिवार रात 9-45 बजे सूचना मिली कि गोविंदपुरी इलाके में एक नाबालिग को चाकू मार दिया है। खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है।

गोविंदपुरी में स्कूली रंजिश बना जानलेवा, तीन नाबालिगों ने की किशोर की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में स्कूली प्रतिद्वंद्विता से उपजी पुरानी दुश्मनी के चलते तीन किशोरों ने शनिवार रात कथित तौर पर चाकू घोंपकर 17 वर्षीय लड़के की हत्या कर दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। पुलिस ने जांच के बाद तीनों किशोरों को हिरासत में ले लिया है सभी की उम्र लगभग 16 साल है। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार रात करीब 8-30 बजे हुई जब पीड़ित ने तीनों को पुराने मुद्दों को सुलझाने के लिए बुलाया था, लेकिन इस दौरान झगड़ा बढ़ गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में से एक ने पीड़ित का गला घोंट दिया, जबकि अन्य दो ने उसके पेट और गर्दन पर कई बार चाकू से वार किए। पुलिस ने रविवार को एक बयान में कहा कि पीड़ित को पहले पास के अस्पताल ले जाया गया और बाद में एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्र के पिता केरल में एक निर्माण मजदूर हैं और मां इलाके में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती हैं। रात 9-45 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (PCR) को कॉल करके घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि गोविंदपुरी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान तीनों आरोपियों की पहचान करके उन्हें पकड़ लिया गया। आरोपियों में से दो छात्र हैं, जबकि एक ने पांचवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों की पीड़ित से रंजिश थी, जिसने कथित तौर पर पिछले दिनों उन पर हमला किया था। आरोपियों ने यह दावा भी किया कि पीड़ित ने उन्हें और उनके परिवारों को धमकियां दी थीं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने हत्या में कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए दो चाकू बरामद किए हैं और जांच जारी है।

एसओएल के छात्रों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की बीए प्रोग्राम कोर्स की कक्षाएं रविवार को समाप्त हो गई। छात्रों ने बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इन छात्रों के संगठन क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) ने एसओएल के छात्रों के साथ मिलकर डीयू आर्ट्स फैकल्टी पर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना था कि उनका पाठ्यक्रम पूरा हो गया है लेकिन उन्हें पूरा स्टडी मटेरियल भी नहीं मिला है। ऐसे में अगले महीने से शुरू होने वाली परीक्षा में छात्रों के बड़ी संख्या में फेल होने की आशंका है। संगठन का आरोप है कि पहले की तरह इस सेमेस्टर में भी छात्रों को केवल 10 से 15 कक्षाएं ही दी गई हैं, जो सिलेबस पूरा करने के लिए काफी नहीं हैं। यह कक्षाएं छात्रों की समझ बढ़ाने और उनके संदेहों को दूर करने के लिए बेहद जरूरी होती हैं। इतनी कम कक्षाओं के चलते छात्रों के लिए सिलेबस को अच्छी तरह से समझ पाना बेहद कठिन है, जिससे वे परीक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाएंगे। केवाईएस ने एसओएल छात्रों की कक्षाओं की संख्या बढ़ाने की मांग की है ताकि छात्रों के पास पूरा सिलेबस समझने और परीक्षा की तैयारी करने के लिए पर्याप्त समय हो।

आईपीयू के अठारह सीईटी आधारित प्रोग्राम में अब 18 अप्रैल तक आवेदन का अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपी यूनिवर्सिटी के अठारह सीईटी आधारित प्रोग्राम में दाख़िले के लिए अब 18 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। पहले इन प्रोग्राम में आवेदन की अंतिम तिथि 11 अप्रैल थी। इच्छुक आवेदकों की मांग पर आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। ये प्रोग्राम हैं- मास्टर ऑफ़ फिजियोथेरेपी, बी.कॉम(ऑनर्स, एमएस(पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, एमए(मास कम्युनिकेशन), बीए (जेएमसी), एम. टेक(रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन) रेगुलर, एमएससी(मेडिसिनल केमिस्ट्री एंड ड्रग डिज़ाइन), बीबीए एंड अलाइड प्रोग्राम्स/ बीबीए-एमबीए इंटीग्रेटेड, बीसीए, लेटरल एंट्री टू बी.टेक(डिप्लोमा धारकों के लिए), चार वर्षीय बीए इन इंग्लिश, एमएड, पारा-मेडिकल प्रोग्राम्स, एमएस(एनवायरनमेंट मैनेजमेंट), पीजी इन एप्लाइड जियो-इंफ़ॉर्मैटिक्स, एमपीएच(एफई), एमएससी (मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स), एमएससी (माइक्रोबायोलॉजी)। आईपी यूनिवर्सिटी ने नए सत्र में यूजी, पीजी और पीएचडी के दाखिले से संबंधित समस्याओं के निवारण के लिए सात-सदस्यीय उच्च स्तरीय कमिटी का गठन भी किया है। यूनिवर्सिटी के अकादमिक मामलों के निदेशक के नेतृत्व में यह कमिटी आवेदकों के ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आए गंभीर समस्यायों का तत्काल निवारण करेगी। नए सत्र के दाखिले में आवेदकों को किसी तरह की असुविधा न हो यूनिवर्सिटी इसका पूरा ख्याल रख रही है। आवेदकों की सहूलियत के लिए यूनिवर्सिटी ने पहले से ही दाख़िले के लिए चैट बॉट और क्यू आर कोड की सुविधा दे रखी है।

दिल्ली में अंबेडकर जयंती पर मैराथन का आयोजन, सीएम रेखा गुप्ता ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को भव्य तरीके से मनाने की तैयारियों में जुटी है। इस अवसर पर दिल्ली सरकार ने रविवार को एक मैराथन का आयोजन किया, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। इस दौड़ को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा, 'दिल्ली सरकार बाबा साहब के दिखाए रास्ते पर चलने और उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बाबा साहब ने हमें सम्मान के साथ जीना सिखाया और समानता का पाठ पढ़ाया। आज का यह आयोजन उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि है।'

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को उसका हक मिले और समाज में समानता व न्याय का माहौल बने। बाबा साहब केवल कहने की नहीं, बल्कि जीने की शख्सियत थे। हमें उन्हें न केवल याद करना है, बल्कि अपने कार्यों के माध्यम से उनके आदर्शों को जीना है।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, 'अंबेडकर जयंती का यह आयोजन युवाओं को बाबा साहब के विचारों से जोड़ने का एक शानदार अवसर है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को हम भूल नहीं सकते। दिल्ली सरकार शिक्षा के माध्यम से उनके सपनों को साकार करने के लिए कटिबद्ध है।÷

मैराथन में शामिल सैकड़ों स्कूली बच्चों और युवाओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जिससे आयोजन में एक अलग ही जोश देखने को मिला।

मैराथन में प्रतिभागियों ने बाबा साहब के सम्मान में नारे लगाए और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। आयोजन में शामिल लोगों ने इसे एक प्रेरणादायक अनुभव बताया। एक प्रतिभागी, रमेश कुमार, ने कहा, 'यह दौड़ सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता की दौड़ थी। बाबा साहब के विचार आज भी हमें प्रेरित करते हैं।'

दिल्ली सरकार ने इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया है, जिसमें नाटक, संगीत और भाषण प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बाबा साहब के जीवन और उनके योगदान को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना है।

डॉ. अंबेडकर केवल किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष के नायक : आशीष सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती की पूर्व संध्या पर दिल्ली सरकार ने एक विशेष मैराथन का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सामाजिक न्याय और संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती से निभा रही है।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज को यह संदेश देना है कि डॉ. अंबेडकर केवल किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष के नायक हैं। उन्होंने कहा, विभिन्न राज्यों की राजधानी में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दिल्ली में भी यह मैराथन सामाजिक न्याय के प्रतीक और संविधान के निर्माता डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित की गई। सूद ने बताया कि मैराथन 2.9 किलोमीटर की होगी, जिसमें दो शिक्षक इसे लीड करेंगे और बाकी प्रतिभागी उनके पीछे कदम से कदम मिलाकर चलेंगे।

आशीष सूद ने कहा, 'डॉ. अंबेडकर हमारे लिए संविधान के निर्माता और जननायक हैं। उन्होंने समाज को एकजुट करने, पिछड़े वर्गों को आगे लाने और देश को जागरूक करने का ऐतिहासिक कार्य किया। देश उनका हमेशा ऋणी रहेगा।'

उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने संविधान की धज्जियां उड़ाईं और श्रद्धा के केंद्रों का बाजारीकरण किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा सरकार अंबेडकर के प्रति अपनी श्रद्धा को समय-समय पर व्यक्त करती रहेगी और समाज को इसमें शामिल करेगी।

सूद ने यह भी कहा कि अंबेडकर जयंती का यह आयोजन न केवल उनकी शिक्षाओं को याद करने का अवसर है, बल्कि समाज में उनके विचारों को फैलाने का भी मौका है। उन्होंने बताया कि पंच तीर्थों की स्थापना जैसे कदम भाजपा सरकार की सामाजिक न्याय को लेकर प्रतिबद्धता दर्शाते हैं। मैराथन के माध्यम से युवाओं और बच्चों को बाबा साहेब के जीवन और योगदान से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया।

सूद ने कहा, 'डॉ. अंबेडकर को न केवल संविधान का जनक माना जाता है, बल्कि वे एक महान अर्थशास्त्री, समाज सुधारक, लेखक और राजनीतिज्ञ भी थे। उन्होंने शिक्षा को समाज के विकास का आधार माना और यह विश्वास जताया कि उत्तम परिणाम के लिए उत्तम प्रयास आवश्यक हैं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे अंबेडकर के विचारों को अपनाएं और समाज में समानता व न्याय के लिए कार्य करें।'

हेल्थ टूरिज्म से चिकित्सा सुविधाओं में होगा सुधार, आर्थिक तौर पर दिल्ली होगी मजबूतः सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर गंगा राम अस्पताल ने अपने 70वें स्थापना दिवस समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मंच से सीएम ने चिकित्सा सुविधाओं को लेकर अपनी सरकार की प्राथमिकताएं बताईं और खासतौर पर 'हेल्थ टूरिज्म' का जिक्र किया।

सीएम रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, ÷जब मैं सर गंगा राम अस्पताल को देखती हूं, तो पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं कि यह एकमात्र ऐसा अस्पताल है, जिसके खिलाफ कभी कोई शिकायत नहीं आई। यहां किसी ने कभी नहीं कहा कि उनके साथ ग्राहक जैसा व्यवहार किया गया। हर व्यक्ति को मरीज के रूप में देखा जाता है, न कि राजस्व स्रोत के रूप में। इसके लिए मैं गंगा राम की पूरी टीम को तहे दिल से बधाई देती हूं।'

सीएम रेखा गुप्ता ने सर गंगा राम अस्पताल की देशव्यापी पहचान पर गर्व जताया और कहा,

'आज यह अस्पताल पूरे देश में अपनी साख रखता है। लेकिन मुझे अफसोस है कि पिछली सरकारों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उतना काम नहीं किया, जितना होना चाहिए था। कोविड महामारी के दौरान कई लोगों ने बिना इलाज के अपनी जान गंवाई, और उस समय राज्य सरकारों की निष्क्रियता सामने आई थी।'

उन्होंने हेल्थ टूरिज्म को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, 'मैं चाहती हूं कि दिल्ली को इतना सशक्त बनाया जाए कि विश्वभर के लोग यहां इलाज के लिए आएं। स्वास्थ्य पर्यटन से न केवल चिकित्सा सेवाएं मजबूत होंगी, बल्कि आर्थिक क्षेत्र को भी बल मिलेगा।'

गुप्ता ने दिल्ली सरकार की ओर से अस्पतालों को सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सर गंगा राम जैसे संस्थान दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। हम जमीन उपलब्ध कराएंगे ताकि हर व्यक्ति को बेहतर इलाज मिल सके। समाज को ऐसे संस्थानों की जरूरत है, जो स्वास्थ्य सेवा को सेवा का माध्यम मानकर काम करें।

सीएम रेखा गुप्ता ने जनता से अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, 'सुबह जब मैं पब्लिक डीलिंग करती हूं, तो हजारों लोग इलाज के लिए मदद मांगने आते हैं। उनकी आंखों में आंसू देखकर दुख होता है। लेकिन मैं वादा करती हूं कि अब ऐसा नहीं होगा। दिल्ली का समय बदलेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम किया जाएगा।'

वीरेन्द्र सचदेवा ने अपनी जन्म स्थली काली मस्जिद में बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा का किया अनावरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जयंति से एक दिन पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग एवं दुष्यंत कुमार गौतम की उपस्थिति में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सीताराम बाजार वार्ड स्तिथ काली मस्जिद डीडीए फ्लैट्स में 'रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ एवं दुष्यंत गौतम ने उपस्थित जनों को बाबा साहेब के विचारों और उनके योगदान को स्मरण कराते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प दिलाया और कहा की बाबा साहेब के स्मरण मात्र से हम में समाजिक चेतना आती है।

श्री सचदेवा ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनसे स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की और फिर अपने पैतृक स्थल जहां उनका जन्म हुआ, वहां भी जाकर समय बिताया और अपने पुराने दिनों को याद किया। वीरेन्द्र सचदेवा ने इस मौके पर कहा कि एक राजनीतिक कार्यकर्ता होते हुए मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैंने अपने जन्म स्थल पर एक ऐसे महान व्यक्ति की प्रतिमा का अनावरण किया है जो समाजिक न्याय और एकता के प्रतिक हैं।

श्री सचदेवा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर सिर्फ संविधान निर्माता नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के प्रतीक हैं। यह प्रतिमा हमें हमेशा याद दिलाती रहेगी कि एक बेहतर और समावेशी समाज की नींव उच्च विचारों और संघर्ष से पड़ती है। हम उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पहल न केवल श्रद्धांजलि है, बल्कि समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास भी है – जहां हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिले।

इस मौके पर एसोसिएशन अध्यक्ष नरेश कुमार, पूर्व विधायक राजकुमार आनंद, पूर्व पार्षद राकेश कुमार, प्रदेश भाजपा के सह-कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मंजीत महाल गिरोह का शूटर गिरफ्तार, अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल गिरोह के सक्रिय शूटर दिनेश उर्फ राजेश उर्फ मोगली को गिरफ्तार किया है। मंजीत लंबे समय से कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू और नवीन खाती गिरोह के साथ वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहा था। इन गिरोहों के बीच गैंगवार में कई अपराधी मारे जा चुके हैं। उसके पास से अमेरिका की अत्याधुनिक 9 एमएम बेरेटा पिस्तौल, 13 कारतूस, तीन खाली खोल और अन्य अवैध हथियार बरामद हुए हैं।

डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक, दिनेश जाफरपुर कलां के दरियापुर खुर्द गांव का रहने वाला है। मंजीत महल ब्रिटेन के गैंगस्टर कपिल सांगवान का कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। दिनेश नजफगढ़ और द्वारका इलाके में अपने गिरोह का दबदबा बढ़ाने के लिए ऐसे विदेशी हथियार रखता था। पश्चिमी दिल्ली में हाल ही में हुई गोलीबारी की घटनाओं के बाद मंजीत महल के गिरोह के सदस्यों सहित विभिन्न गैंगस्टरों की गतिविधियों ने पुलिस को सतर्क कर दिया है।

हेड कांस्टेबल संदीप कादियान को सूचना मिली कि कुख्यात मंजीत महल गिरोह के एक गैंगस्टर ने नजफगढ़ और द्वारका इलाके में अपने गिरोह का दबदबा स्थापित करने के लिए हिंसक अपराधों को अंजाम देकर सुर्खियां बटोरने के इरादे से अवैध अत्याधुनिक हथियार खरीदे हैं। एसीपी रविन्द्र कुमार राजपूत और इंस्पेक्टर अक्षय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कई स्थानों पर छापेमारी कर दिनेश को 9 एमएम बेरेटा पिस्तौल के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि 11वीं कक्षा में पढ़ते समय दिनेश मंजीत महल गिरोह के बदमाश रविंद्र उर्फ भोलू के संपर्क में आया था। निजी रंजिश के चलते उसे कुछ समय बाद अपना गांव छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वह रविंद्र के साथ मितराऊं गांव में रहने लगा था। नए साल 2015 की पूर्व संध्या पर उसने रविंद्र भोलू के साथ मिलकर अपने विरोधी नवीन खाती गिरोह के चार बदमाशों की गोली मारकर हत्या कर दी थी और शवों को बहादुरगढ़ के पास इस्सरहेड़ी गांव के सुनसान जंगल में ले जाकर जला दिया था। पुलिस ने उस मामले में दिनेश को गिरफ्तार किया था।

सात साल बाद वह जमानत पर बाहर आया और फिर से आपराधिक वारदातों को अंजाम देने लगा। बहादुरगढ़ और दिल्ली में उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह हरियाणा के राजेश सरकारी गिरोह के लिए भी काम कर रहा था। वह अपने गिरोह का प्रभाव बढ़ाना चाहता था। वह हिंसक वारदातों को अंजाम देने के लिए मंजीत महल से निर्देश मिलने का इंतजार कर रहा था।

भगवान महावीर स्वामी के महामस्तकाभिषेक महोत्सव का भव्य आयोजन सम्पन्न : मनोज जैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के ऐतिहासिक नगर महरौली स्थित अहिंसा स्थल पर जैन स्मारक एवं जिनालय में भगवान महावीर स्वामी की विशाल प्रतिमा के 24 वर्षों पश्चात महामस्तकाभिषेक का पावन आयोजन वीर प्रभु के जन्मकल्याणक के शुभ अवसर पर अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। इस दिव्य आयोजन में मुनि श्री 108 प्रण्यम सागर जी महाराज की पावन उपस्थिति और आशीर्वाद ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। सकल जैन समाज की भागीदारी ने इस महोत्सव को और भी विशेष एवं अविस्मरणीय बना दिया। मनोनीत निगम पार्षद मनोज कुमार जैन ने कार्यक्रम में भाग लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा फ़अहिंसा स्थल, महरौली में भगवान महावीर स्वामी के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में भाग लेकर दिव्यता, शांति और आशीर्वाद की अनुपम अनुभूति हुई। यह आयोजन अविस्मरणीय रहा। राकेश जैन, प्रदीप जैन, अवनीश जैन एवं समस्त समिति का मनोज जैन ने आभार व्यक्त किया। धर्मस्थल के धर्माधिकारी परम श्रद्धेय डॉ. वीरेंद्र हेगड़े जी सहित अनेक गणमान्य अतिथि, श्रद्धालु एवं समाज के प्रमुखजन इस आयोजन का हिस्सा बने।

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 देश के संविधान के विरुद्ध और बहुसंख्यकों के वर्चस्व का प्रतीक, अंत तक संघर्ष की घोषणा

-जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने भारत सरकार से मांग की कि वह तत्काल इस कानून को वापस ले और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों को न रोके

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण सभा आज नई दिल्ली के आईटीओ स्थित मदनी हॉल में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें वक्फ संशोधन अधिनियम 2025, उत्तराखंड में मदरसों के विरुद्ध सरकारी कार्रवाई, समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन और फिलिस्तीन में नरसंहार जैसे वर्तमान समय के ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके साथ ही नए सदस्यता अभियान की तिथि में भी विस्तार किया गया। कार्यकारी समिति की सभा में जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति के सदस्यों और देश भर से विशेष आमंत्रित लोगों ने भाग लिया और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

सभा में विशेष रूप से वक्फ संशोधन अधिनियम की कमियों और इसके पीछे के उद्देश्यों पर घंटों चर्चा हुई। सबसे पहले वक्फ की सुरक्षा को लेकर जमीअत उलमा-ए-हिंद के संघर्ष पर आधारित रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके बाद जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने इस कानून पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मानना है कि यह कानून देश के संवैधानिक ढांचे के खिलाफ है और भारत के संविधान के विरुद्ध है, जो बहुसंख्यकों का वर्चस्व स्थापित करने के लिए लाया गया है। यह सिर्फ कानूनी मुद्दा नहीं बल्कि न्याय और सिद्धांत का मामला है। हमने इस तरह के उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ पहले भी लड़ाई लड़ी है और हम भविष्य में भी लड़ेंगे। इस देश की बुनियाद जिन सिद्धांतों पर रखी गई थी, वह समानता, न्याय और स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं। ऐसा महसूस होता है कि आज इन बुनियादों को हिलाने का प्रयास किया जा रहा है। मैं चाहता हूं कि मेरे यह शब्द न केवल सुने जाएं, बल्कि महसूस भी किए जाएं। यह मेरे समुदाय की पीड़ा और भावनाओं की अभिव्यक्ति है। उम्मीद है कि देश का नेतृत्व, मीडिया और आम जनता इस आवाज को सुनेंगे और इस पर गंभीरता से विचार करेंगे।

इस अवसर पर जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि यह अधिनियम भारतीय संविधान के कई अनुच्छेदों 14, 15, 21, 25, 26, 29 और 300-ए के विरुद्ध है। इसका सबसे नुकसानदायक पहलू %वक्फ बाय यूजर% की समाप्ति है, जिससे ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, उनकी संख्या चार लाख से अधिक है। केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करना, धार्मिक मामलों में खुला हस्तक्षेप और अनुच्छेद 26 का स्पष्ट उल्लंघन है। यह कानून बहुसंख्यकों के वर्चस्व का प्रतीक है, जिसका हम कठोरता से विरोध करते हैं।

कार्यकारी समिति यह स्पष्ट करती है कि वर्तमान सरकार संविधान की भावना और संवैधानिक समझौते का उल्लंघन कर रही है। एक पूरे समुदाय को हाशिए पर डालने, उनकी पहचान मिटाने और उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सभा सरकार से मांग करती है कि वक्फ अधिनियम 2025 को

तुरंत वापस लिया जाए। वक्फ इस्लामी कानून का एक मौलिक हिस्सा है और एक धार्मिक इबादत है। इसमें ऐसा कोई भी संशोधन स्वीकार्य नहीं है जो इसके धार्मिक चरित्र और शरई आधार को प्रभावित करे। संशोधन केवल प्रशासनिक सुधार के लिए होने चाहिए।

कार्यकारी समिति सरकार और विपक्ष के भ्रामक बयानों की निंदा करती है तथा मीडिया में फैलाए जा रहे दुष्प्रचार के खिलाफ सही स्थिति प्रस्तुत करने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। यह भी स्पष्ट किया गया कि शांतिपूर्ण विरोध एक संवैधानिक अधिकार है। विरोध प्रदर्शनों को रोकना, कानूनी कार्रवाई करना या हिंसा का सहारा लेना निंदनीय है, जबकि विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा का सहारा लेना भी निराशाजनक है। ऐसे तत्व वक्फ आंदोलन को कमजोर कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

10 महीने पहले शादी, एक लालच और लुट गईं खुशियां...

विवाहिता की लाश देख कांप गए घरवाले

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र की अंजलि विहार कॉलोनी में बृहस्पतिवार शाम को नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। ससुरालीजन भाग गए। पोस्टमार्टम के बाद भी केस दर्ज नहीं होने पर परिजन ने थाने में शव रखकर हंगामा किया। इसके बाद पुलिस ने दहेज हत्या का केस दर्ज कर लिया।

जारऊ, सादाबाद निवासी दिनेश कुमार ने बेटी रितु (24) की शादी 10 माह पहले अंजलि विहार, खंदौली निवासी अशोक के साथ की थी। परिजन ने बताया कि ससुराल में दो लाख रुपये की मांग करते हुए रितु से मारपीट की जा रही थी। बृहस्पतिवार की शाम को रितु का शव फंदे पर लटका मिला।

इसकी जानकारी होने पर परिजन पहुंचे तो ससुरालीजन भाग गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया मगर केस दर्ज नहीं किया। शुक्रवार को परिजन मृतका के शव को लेकर थाना खंदौली पहुंच गए। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि मृतका के पति को हिरासत में लेने के बाद भी छोड़ दिया गया। पुलिस ने 24 घंटे तक केस नहीं लिखा। हंगामा बढ़ने पर पुलिस ने पति सहित अन्य ससुरालीजन पर दहेज हत्या का केस दर्ज किया है।

दामाद ने कहा था, अब नहीं लौटेगी रितु– रितु को दो दिन पहले अशोक मायके से लेकर आया था। कहा था कि अब परेशान नहीं होने दूंगा। वह अब कभी लौटकर मायके नहीं जाएगी। उन्होंने समझा कि पति सुधर जाएगा मगर उन्हें क्या पता था कि वह धमकी देकर गया है कि लौटकर नहीं आएगी।

ये हैं गोस्वामी तुलसीदास के हाथों स्थापित हनुमान मंदिर, इनमें बाल हनुमान लला भी

वाराणसी, एजेंसी। संकटमोचन मंदिर शहर के दक्षिणी काशी लंका क्षेत्र में है। हनुमान जी का दिव्य विग्रह है। यह मूर्ति तुलसीदास के तप और पुण्य से प्रकट हुई स्वयंभू मूर्ति है। इसमें हनुमान जी दक्षिण भुजा से भक्तों को अभयदान कर रहे हैं। वाम भुजा उनके हृदय पर स्थित है। हनुमान जी के नेत्रों से भक्तों पर अनवरत कृपा बरसती है। शुरू में यह स्थान मढ़ी के रूप में था।

बाल हनुमान– शहर के उत्तर में हनुमान जी का बाल विग्रह हनुमान फाटक पर स्थित है। तुलसीदास ने इसकी स्थापना की थी। उन्होंने कुछ वर्षों तक यहां रहकर श्रीरामचरित मानस के कुछ कांडों की रचना भी की थी।

बालरूप हनुमान – तुलसीघाट पर ही बालरूप में हनुमान जी हैं, जो गुफा वाले हनुमान जी के नाम से प्रसिद्ध हैं। दक्षिणामुखी होने से यह अधिक प्रतापी माने गए हैं। मंदिर क्षेत्र में हनुमान जी के और भी विग्रह हैं।

गुफा वाले हनुमानजी – गंगा किनार तुलसीघाट पर तुलसी मंदिर स्थित है। यह गोस्वामी तुलसीदास की साधना स्थली है। गोस्वामी जी की चरण पादुका, नाव और मानस की पांडुलिपियां आदि मौजूद हैं। यह तपोभवन चार सौ साल से अधिक प्राचीन है।

कोढ़िया हनुमान– कर्णघंटा क्षेत्र में चार सौ साल पूर्व वेदव्यास मठ था। इसी मठ में कुष्ट व्यास या कोढ़िया हनुमान जी की मूर्ति है। माना जाता है कि यहीं पर हनुमान जी कुष्ट रोगी के भेष में कथा श्रवण करने आए थे।

मनसपूरन व महामृत्युंजय हनुमान–

दादों क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

दादों क्षेत्र के गांव में भारतीय संविधान के रचयिता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही धूमधाम बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाई गई डीजे एवं बैंड बाजा के साथ बड़े ही धूमधाम उत्साह के साथ मनाई गई जगह-जगह पुलिस प्रशासन मौके पर मौजूद रहा सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही इस मौके पर गांव लहरा सलेमपुर में राकेश कुमार अंबेश ने फीता काट कर सांकरा चौकी प्रभारी सतीश चंद्र ने फीता काटा और बाबा साहब की झड़ी देकर रैली को रवाना किया गांव बाजितपुर दरी नबीपुर आलमपुर सांकरा निनामई ओजीपुर रामपुर अजवाइन ढेर आज गांव में बड़ी ही धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ मनाई गई लोगों ने बाबा साहब की जीवनी पर प्रकाश डाला और केक काटकर जन्मदिन मनाया इस मौके पर किसान कामगार मोर्चा अध्यक्ष पूर्व प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य सुनील क्रांति ने बताया हम सब के प्रेरणा स्त्रोत थे बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और हमें उनके बताए गए नियमों पर चलना चाहिए इस मौके पर कुलदीप कटारिया फैजान सैफी डीके मोबाइल सेंटर आदि लोग मौजूद रहे

गोरा होने की क्रीम लगाने की आदत से गुर्दों की शामत, त्वचा सोखती है मरकरी

कानपुर , एजेंसी। गोरा दिखने के चक्कर में क्रीम थोपे रहने की आदत से गुर्दों की शामत आ रही है। त्वचा को गोरा दिखाने के लिए क्रीम में मरकरी रसायन मिलाया जाता है। त्वचा इसे सोखती है। इसके दुष्प्रभाव से गुर्दों में मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी हो जाती है। गुर्दे की छन्नियों को नुकसान होता है और पेशाब से प्रोटीन आने लगता है। डॉक्टर भी गुर्दे खराब होने का कारण जल्दी नहीं समझते और खराबी बढ़ती रहती है।

यह बातें एसजीपीजीआई के गुर्दा रोग विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. नारायण प्रसाद ने आईएमए रिफ्रेशर कोर्स के पहले दिन बताई। गुर्दा रोग विभागाध्यक्ष डॉ. प्रसाद ने आईएमए सभागार में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में डायबिटीज के रोगियों के गुर्दे खराब होने के गैर डायबिटीज वाले कारणों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि गोरा होने वाली क्रीम बहुत अधिक लगाने वाले गुर्दा रोगी विभाग में आ रहे हैं।

कारण पता करने में करनी पड़ती है मशक्कत– इनकी संख्या बढ़ रही है। गुर्दा रोगियों से अब यह भी पूछना पड़ता है कि वे कौन सी क्रीम लगाते हैं। इस तरह के रोगियों में पुरुष और महिलाएं दोनों होती हैं। बहुत से रोगियों की डायग्नोसिस से पता चला कि ज्यादातर क्रीम खुद सोशल मीडिया पर देखकर मंगा लेते हैं और इसका इस्तेमाल करते हैं। आम डॉक्टर को गुर्दे खराब होने के कारण पता करने में मशक्कत करनी पड़ती है।

बायोप्सी कराने पर पता चलती है समस्या– त्वचा सफेद करने वाली क्रीम में मरकरी मुख्य अवयव होता है। 20-25 दिन तक क्रीम लगाने पर इसका असर गुर्दों पर आने लगता है। मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी का क्रीम बड़ा कारण बन रही है। व्यक्ति जितनी अधिक क्रीम थोपेगा, दिक्कत उतनी जल्दी होने लगता है।

एक रात पहले बांटे पर्चे, साजिश में दो गिरफ्तार

सैफ ने बनाया था व्हाट्स ग्रुप इंसानियत

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में नौबस्ता के मछरिया में स्थित जामा मस्जिद में नमाज के बाद कुछ युवकों ने वक्फ संशोधन कानून के विरोध में बैनर लहराए और नारेबाजी की। इस बीच एक युवक ने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ छिड़क कर आत्मदाह करने की कोशिश भी की। लेकिन मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों उसे तुरंत दबोच लिया। इस बीच एक दिन पहले वक्फ कानून पारित होने के विरोध में क्षेत्र में पर्चे भी बांट गए, जिसकी भनक पुलिस को नहीं हो सकी।

इस पूरे मामले में शुक्रवार को पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि कुल 23 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। इसमें आठ नामजद हैं। जानकारी के अनुसार जुमे की नमाज के चलते मछरिया स्थित जामा मस्जिद के बाहर काफी भीड़-भाड़ थी। एहतियात के तौर पर बड़ी संख्या पुलिस कर्मी भी तैनात थे। नमाज खत्म होने के बाद लोग घरों को लौटने की तैयारी कर ही रहे थे, तभी आठ-दस युवाओं की टोली ने वक्फ संशोधन कानून विरोधी नारेबाजी करते हुए बैनर लहराना शुरू कर दिया।

सैफ ने बनाया था 30 से ज्यादा युवकों का व्हाटस ग्रुप इंसानियत

नौबस्ता मछरिया की जामा मस्जिद के बाहर प्रदर्शन में पकड़े गए युवकों की अगुवाई मोहम्मद सैफ कर रहा है। उसने इंसानियत नाम से एक व्हाट्सअप ग्रुप भी बना रखा है। वहीं इसका एडमिन है। इसमें 30 से ज्यादा युवक जुड़े हैं। ये खुलासा आरोपी युवकों के मोबाइल की जांच में सामने आया है। उसने ही ग्रुप चैट के माध्यम से सभी से अपील की थी कि वे प्रदर्शन में शामिल होकर वक्फ संसोधन कानून का विरोध करें। पुलिस इसी ग्रुप के जरिए प्रदर्शन में शामिल हुए युवकों और किशोरों की तलाश कर रही है।

फ्लैग मार्च कर लोगों को चेताया

इस बीच मछरिया निवासी मोहम्मद सैफ नाम के युवक ने पायजामे की जेब से एक बोतल निकाली और उसमें से ज्वलनशील पदार्थ अपने ऊपर छिड़ककर आत्मदाह की कोशिश की। शोर सुनकर उनकी ओर बढ़े पुलिस कर्मियों ने उसे दबोच लिया। उसके साथियों रेहान, शेख अख्तर जिलानी को भी हिरासत में ले लिया।

मछरिया की प्रिंटिंग प्रेस में छापे गए हैं बैनर

एडीसीपी महेश कुमार ने बताया कि मुख्य आरोपी मोहम्मद सैफ वाट्सएप ग्रुप का एडमिन है। उसने ग्रुप चैट पर सभी को जामा मस्जिद पहुंचने के लिए कहा था। आशंका है कि इन सबके पीछे कोई और हो सकता है। इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। पूछताछ में जो बातें सामने आयीं है। उनसे साफ कि किसी के इशारे पर ही युवकों और किशोरों को जोड़कर वह उन्हें इसके लिए तैयार कर रहा था। जिन बैनर और पंपलेट का प्रदर्शनकारियों ने इस्तेमाल किया है। वे मछरिया की प्रिंटिंग प्रेस में छापे गए हैं। पुलिस ने प्रिंटिंग प्रेस संचालक सारिक को भी हिरासत में लिया है। उससे भी पूछताछ की जा रही है।

कमेटी के बारे में जानकारी जुटा रही पुलिस

प्रदर्शनकारियों ने जो बैनर लहराए उनमें मुजाहिद्दीन अंजुमन कमेटी लिखा था। इलाके के लोगों की माने तो इस नाम की कोई भी कमेटी क्षेत्र में सक्रिय नहीं है। हालांकि पुलिस इन युवकों से कमेटी और उसके संरक्षकों के बारे में पूछताछ करने की कोशिश कर रही है।

खुफिया तंत्र रहा फेल

युवाओं ने गुरुवार शाम से रात तक इलाके में घूम-घूमकर वक्फ कानून के विरोध में पर्चे बांटे। साथ ही जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शनकर उसमें शामिल होने की अपील की। युवक रणनीति बनाते रहे लेकिन एलआईयू को भनक तक न लगी। गनीमत रही कि नमाज के दौरान सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात थी और उसने प्रदर्शनकारी को रोक लिया।

दर्द दे रहा जिला अस्पताल: बेबस मरीज, घर वाले लाचार..

पेड़ के नीचे पड़े कराह रहे बीमारों को नहीं मिला इलाज

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ में पारा 40 के पार था। दोपहर में झुलसा देने वाली गर्मी थी। एसी भी फेल हो रहे थे। लेकिन जरा इनकी सोचिए जो इलाज कराने के लिए आए थे मगर जिला अस्पताल में भर्ती नहीं किए गए और बाहर पेड़ के नीचे पड़े कराहते रहे। किसी को उसके घर वाले चार दिन से भर्ती कराने के लिए जद्दोजहद कर रहे थे तो किसी के तीन दिन से। इनकी कराह वहां से गुजरने वाले लोगों को तो सुनाई दे रही थी मगर अस्पताल के डाक्टरों को नहीं।

सीने में दर्द से कराह रहीं थीं अमीना– सिकंदराराऊ से आई अमीना बेगम के सीने में दर्द था। शुक्रवार की सुबह 8 बजे उनके पति शौकत अली उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे थे। दोपहर तक वह इमरजेंसी के पास पेड़ के नीचे पड़ी रहीं। शौकत ने बताया कि खून की जांच करवाई। एक्सरे करवाया, दिल की जांच करवाई। लेकिन अभी रिपोर्ट नहीं आई। अस्पताल वालों ने शौकत से कहा कि पहले सभी जांच की रिपोर्ट लेकर आओ तब भर्ती करेंगे। दो गोलियों के पत्ते और एक सीरप दे दिया है। यहां भटकते हुए उनके 3500 रुपये भी कहीं गिर गए। बिहारी नगर से आईं देवकी अपनी बेटी के साथ ब्लड बैंक के पास ही पेड़ के नीचे बैठी थीं। तकलीफ पूछने पर देवकी का दर्द छलक गया- बोलीं चार दिन से पथरी का बहुत दर्द हो रहा है। कह देते हैं पहले खून की जांच करवाओ। एक्सरे करवाओ और भी जांच करवाओ, इसके बाद भर्ती करेंगे। पास में बैठी बेटी सरिता अपनी मां को दर्द से परेशान होते हुए देखते रहने को मजबूर है। बोली, अगर पैसा होता तो प्राइवेट में इलाज करा लेते।

सही से चल भी नहीं पा रही थी रानी..व्हीलचेयर तक नहीं मिली– अलीगढ़ के सासनी गेट से आई वृद्ध महिला रानी घुटने के दर्द से परेशान हैं। वह चल भी नहीं पा रही थीं। वह अपनी बहू मीना के साथ आई थीं। दवा लेने के बाद परिजन उन्हें ले जाने के लिए व्हीलचेयर तलाश रहे थे मगर पूरे अस्पताल में कहीं नहीं मिली। रानी की बहू मीना ने बताया कि माल गोदाम की ओर गेट तक ई रिक्शा मिलता है।

कहीं आप तो नहीं खरीद रहे नामी कंपनियों का एक्सपायर माल, बरेली में इस खेल का भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

बरेली , एजेंसी। बरेली में नामचीन कंपनियों के एक्सपायर्ड माल की रीपैकिंग कर बाजार में खपाने के खेल का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने सीतापुर निवासी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सीआई पार्क के पास स्थित उसके गोदाम से लाखों रुपये का माल बरामद किया गया है। इसमें कॉस्मेटिक और कई मेडिकल प्रोडक्ट भी शामिल हैं। आरोपी के खिलाफ बारादरी थाने में ट्रेडमार्क, कॉपीराइट अधिनियम, धोखधड़ी और जालसाजी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बृहस्पतिवार दोपहर गश्त के दौरान बारादरी थाने के दरोगा अरविंद कुमार सिंह को सूचना मिली कि सीतापुर का युवक दिल्ली के बाजारों से नामचीन कंपनियों का एक्सपायर व रिजेक्ट माल सस्ते दामों में खरीदकर लाता है। रीपैकिंग कर माल को बरेली में पूरी कीमत पर बेचता है। इस समय वह गंगापुर में एक दुकानदार के यहां रीपैक किया हुआ पुराना माल बेचने आया है।

नामी कंपनियों के उत्पाद बरामद– दरोगा ने शाहदाना से गंगापुर जाने वाले रास्ते पर मस्जिद के पास से उसे पकड़ लिया। आरोपी ने अपना नाम करन साहनी बताया। वह सीतापुर के कोतवाली थाना क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी का रहने वाला है। उसके पास से काफी मात्रा में नामचीन कंपनी का बेबी ऑयल व लोशन, पॉकेट परफ्यूम, फेयरनेस क्रीम, हेयर ऑयल व शैंपू आदि बरामद किए गए।

उसने पुलिस को बताया कि वह दिल्ली के सरदार बाजार से एक्सपायरी माल लाता है और रीपैकिंग कर यहां बेचता है। उसने सीआई पार्क के पास ललित गंगवार का गोदाम किराये पर ले रखा है और वह यहां कृष्णा वाटिका में किराये के मकान में रहता है। पुलिस ने गोदाम पर छापा मारा तो वहां एक्सपायर व रिजेक्ट माल का जखीरा बरामद हुआ। मौके से पुलिस को हीट सीलिंग पैकिंग मशीन, तीन बोतल थिनर, चार बंडल पैकिंग पन्नी, टेप, रीलेवलिंग का सामान भी मिला।

इस तरह किया जा रहा था खेल– आरोपी ने पुलिस ने बताया कि जो उत्पाद प्लास्टिक के डिब्बों में होते थे, उनकी एक्सपायरी डेट मिटाने के लिए थिनर समेत अन्य केमिकल का इस्तेमाल करता था। इसके बाद नई एक्सपायरी डेट डाल देता था। जिन उत्पादों पर स्टीकर लगे होते थे, उनके ऊपर नया स्टीकर लगा दिया जाता था।

इसके अलावा आरोपी हीट सीलिंग पैकिंग मशीन का भी इस्तेमाल करता था। पुलिस ने उसके पास से जो उत्पाद बरामद किए, उनमें से कुछ पर हीट सीलिंग मशीन के कारण फिनिशिंग ठीक से नहीं हुई थी। कुछ के स्टीकर छुड़ाकर देखे तो पोल खुल गई। गोदाम में काफी मात्रा में एक्सपायर उत्पाद भी रखे थे। ऐसे में वह पुलिस की पकड़ में आ गया।

साप्ताहिक बाजार और फुटकर दुकानदारों को बेचता था माल– पूछताछ में करन ने पुलिस को बताया कि वह शहर के साप्ताहिक बाजारों और फुटकर विक्रेताओं को माल बेचता था। ये विक्रेता 10-20 पीस ही लिया करते थे। इसके अलावा वह देहात क्षेत्र की परचून दुकानों और जनरल स्टोरों पर भी माल खपाता था। नामचीन कंपनियों के उत्पाद बेचने पर दुकानदारों को कम कमीशन मिलता है, लेकिन आरोपी उनको ज्यादा छूट देता था। इस वजह से दुकानदार उसका सामान हाथों हाथ लेते थे।

औषधि निरीक्षक भी पहुंचे, रात 10 बजे तक चली सामानों की गिनती

सूचना पर औषधि निरीक्षक राजेश कुमार भी मौके पर पहुंच गए। गोदाम में मिले नामचीन कंपनियों के 625 से ज्यादा उत्पादों की गिनती रात 10 बजे तक जारी रही। बरामद माल की कीमत लाखों में आंकी गई है। मेडिकल, कॉस्मेटिक और एलोपैथिक प्रोडक्ट बेचने संबंधी वह कोई लाइसेंस भी नहीं दिखा सका। उसके खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। कई उत्पादों के सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि नामचीन कंपनियों के एक्सपायर सामान को बाजार में खपाने के आरोपी को बारादरी पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। उसके गोदाम से कई लाख रुपये का एक्सपायर व रिजेक्ट माल बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सभी धर्म समान, भेदभाव करना गलत

सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) के ऑडिटोरियम में चल रहे अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव के चौथे दिन दिखाई गईं फिल्मों ने बच्चों को यह सीख दी।

बृहस्पतिवार को फिल्म महोत्सव का शुभारंभ पंजाबी अभिनेता अशोक पुरी, अनिल रस्तोगी और इमरान खान ने किया। इसके बाद अवनी की किस्मत, व्हेयर इज द मून, टियर्स ऑफ शिवा, पिनोचिया, डोर्स इन लाफ आदि फिल्में दिखाई गईं। फिल्म सत्यमेव जयते के जरिये बच्चों ने देशभक्ति का पाठ पढ़ा। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से विविधता में एकता की अहमियत समझाई। इस मौके पर अभिभावक भी मौजूद रहे। अभिनेता अशोक पुरी ने कहा कि लोग दिल्ली को देश का दिल मानते हैं, लेकिन मैं लखनऊ को।

संपादकीय

उलटी पड़ी ट्रंप की टैरिफ रणनीति?

अमेरिकी राष्ट्रपति को अब शायद यह बात समझ आने लगी है कि उनकी रणनीति बहुत कारगर साबित नहीं होने वाली। शायद इसीलिए अब बातचीत की संभावना भी खोजी जाने लगी है। सत्ता की बागडोर संभालते ही जिस तरह उन्होंने दुनिया के तमाम देशों को पहले धमकाया और फिर पारस्परिक शुल्क लगा दिया, उससे उन्हें शायद यकीन था कि सारे देश उनके आगे घुटने टेक देंगे और अमेरिका की अर्थव्यवस्था कुलांचे भरनी शुरू कर देगी। मगर पारस्परिक शुल्क लगाने के साथ ही दुनिया भर में उनका विरोध शुरू हो गया।

बाजार नीचे की तरफ लुढ़कने शुरू हो गए। खुद अमेरिका में ट्रंप को अभूतपूर्व विरोध का सामना करना पड़ा। ऐसे में, उन्होंने अपनी शुल्क नीति पर विराम लगाना पड़ा। कुछ देशों पर उन्होंने नब्बे दिनों के लिए अपनी शुल्क नीति पर रोक लगा दी। हालांकि चीन के साथ उनका शुल्क युद्ध रोज एक नया मोड़ लेता दिख रहा है। अब चीन ने भी अमेरिका पर सवा सौ फीसद का जवाबी शुल्क लगा दिया है। फिर भी अमेरिका को लगता है कि चीन जल्दी ही घुटने टेक देगा और वह ट्रंप से बातचीत की मेज पर आएगा। पर चीन ने दूसरे देशों को अमेरिका के खिलाफ अपने पक्ष में एकजुट करना शुरू कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप की पारस्परिक शुल्क नीति से सबसे अधिक नुकसान खुद अमेरिका को होता नजर आ रहा है। चीन ने दूसरे देशों को कुछ रियायत के साथ अपने उत्पाद बेचने की पेशकश शुरू कर दी है। उसके बाजार पर बहुत प्रतिकूल असर नजर नहीं आ रहा। चीन का निर्यात प्रभावित होने से अमेरिकी बाजार में जरूर सुस्ती पसरनी

शुरू हो गई है। हालांकि ट्रंप ने माना कि कुछ बड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए दवाएं देनी पड़ती हैं। मगर अमेरिकी नागरिक महंगाई की मार को बहुत देर तक झेलने की स्थिति में नहीं हैं। जिन देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाने की तिथि नब्बे दिनों के लिए टाल दी गई है, उनमें भी आधार शुल्क दस फीसद लागू है। इसी से वहां महंगाई बढ़ गई है। अगर ट्रंप अपनी जिद पर अड़े रहते हैं और नब्बे दिन बाद पारस्परिक शुल्क लागू करते हैं, तो दूसरे देश भी वैसा करने को तैयार हैं। यहां तक कि यूरोपीय संघ भी उनके इस फैसले के विरोध में है और उसने अपने जवाबी शुल्क की तारीख नब्बे दिन के लिए टाल दी है। इस तरह ट्रंप को अपने ही सहयोगियों का कड़ा विरोध झेलना पड़ रहा है।

ट्रंप की पारस्परिक शुल्क नीति से सबसे अधिक विश्व व्यापार संगठन की नीतियों का उल्लंघन हो रहा है। उचित ही उसने भी ट्रंप के इस कदम पर कड़ा एतराज जाहिर किया है। विश्व व्यापार संगठन का गठन ही इस इरादे से किया गया था कि दुनिया के देश आसान नियम-शर्तों के साथ वाणिज्य-व्यापार कर सकें। उसमें गरीब देशों को शुल्कों में रियायत देने और अमीर देशों से कुछ शुल्क वहन करने की अपेक्षा की गई थी। उसी नीति के तहत अमेरिका को गरीब देशों से आयात होने वाली वस्तुओं पर शुल्क देना पड़ता था। ट्रंप ने उस नियम को दरकिनार कर दिया है। इस तरह पूरी दुनिया की आपूर्ति शृंखलाएं प्रभावित होंगी और वाणिज्य-व्यापार के नए समीकरण बनेंगे, जिससे व्यापार युद्ध का खतरा गहराता जाएगा। मगर आर्थिक विशेषज्ञों को यकीन है कि जिस तरह ट्रंप के कदम ठिठकने लगे हैं, वे फिर से इस नीति पर विचार करेंगे।

दही

मीना अग्रवाल नेचुरोपैथी

गर्मी की शुरूआत बढ़ाते बढ़ाते गर्मी जोर से पड़ने लगी है इसके साथ ही घरों में दही का प्रयोग खाने में रायता लस्सी छाछ कई तरीकों से दही का प्रयोग आने लगता है। खासकर गर्मियों में दूध के मुकाबले दही शीघ्र पचता है। जो लोग लैक्टोज इन्टालेरंस के कारण दूध नहीं ले पाए वह दही खा सकते हैं। दही में जो सहायक बैक्टीरिया होते हैं वह दूध के लेक्टोज को लेक्टिक एसिड में चेंज कर देते हैं यह हमारी आंतों को स्वस्थ बनाए रखने में बड़ी मदद करते हैं।

दही का नियमित यानी रोजाना सेवन आंतों की दीवारों को मजबूत बनाती है इसके सेवन से जिगर गुर्दे एवं हृदय के रोगी स्वस्थ तो पाए गये है। यह गैस एवं कफ को भी ठीक करता है। अतिसार प्रमेह आदि में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका दही की है।

दही का सेवन दांतों और हड्डियों को मजबूत बनाता है। क्योंकि इसमें कैल्शियम की प्रचारित होती है पाचन शक्ति को सही ढंग से क्रियाशील रखने में दही श्रेष्ठ आहार है। यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। दही में कोलेस्ट्रॉल को कम करने की शक्ति होती है इस कारण यह हृदय रोग के लिए भी वरदान है। इतना ही नहीं बीपी के गुर्दों के रोगियों के लिए भी यह लाभदायक है यदि आप अनिद्रा के रोग से पीड़ित हैं तो दही का सेवन आवश्यक करें। दही का सेवन के पश्चात नींद अच्छी आती है। एंटीबायोटिक दवाइयां के अधिक प्रयोग से पाचन प्रणाली के सहायक बैक्टीरिया समाप्त हो जाते हैं जिससे गुड बैक्टीरिया भी कहते हैं दही खाने से सहायक बैक्टीरिया में वृद्धि होती है और व्यक्ति पुनः यौवन प्राप्त करने लगता है।

दही में फ्रेसर विरोधी क्षमता तो है ही उसके साथ ही यह प्राकृतिक एंटीबायोटिक भी है। मधुमेह रोग में दही लेना अच्छा है।

नोटः-

१ दही रात के समय नहीं खाना चाहिए।
२ दही को सदैव अच्छी तरह से मथकर ही खाना चाहिए।
३ खट्टा दही नहीं खाना चाहिए यह सेहत के लिए हानिकारक है।

यदि दही खट्टे हो जाए तो इसमें तीन गुना पानी डालकर 45 मिनट बाद दही का ऊपर का सारा पानी फेंक दें खट्टा पान खत्म हो जाएगा।

दही को जल्दी जमाने के लिए दूध को गुनगुना गर्म करें अब इसमें जमान मिलाकर दो-तीन बार दूसरे बर्तन में डालकर उछाले कैसेरोल में डालकर बंद कर दे दही जल्दी जमेगा।

कभी-कभी दही जमता नहीं है ऐसे में आप एक चौडे मुंह का बर्तन में गर्म पानी भरे उसमें दही वाला बर्तन बिना हिलाए कर रख दे आधे घंटे बाद दही जमकर तैयार हो जाएगा ।

सर्दियों में दही आसानी से जमाने के लिए दही के बर्तन को गर्म पानी से भरे प्रेशर कुकर या कैसेरोल में रखिए।

सर्दियों में दही जमाने के लिए लोटे में दूध गुनगुना कर एक चम्मच जामन डालकर लोट को आटे के डिब्बे में ढक कर रखें लगभग 6 घंटे में दही जम जाएगा।k

चक्केदार दही जमाने के लिए मिट्टी के बर्तन का प्रयोग करें।

चक्केदार दही जमाने के लिए ग्राम दूध में एक चम्मच जामन लगाकर चावल के डिब्बे में ढक कर रख दे। लगभग 5-6 घंटे में दही जमा मिलेगा।

रसायनू इत्यादि से तैयार किए गए दूध में मिलावट दूध की शुद्धता पर प्रश्न लगा दिया है। अतः सोयाबीन मूंगफली मेवो इत्यादि के दूध का दही बनाना ही बेहतर है।

भारत को विश्व गुरु बनाने में सांस्कृतिक संगठनों को निभानी होगी विशेष भूमिका

प्राचीनकाल में भारत विश्व गुरु रहा है इस विषय पर अब कोई शक की गुंजाईश नहीं रही है क्योंकि अब तो पश्चिमी देशों द्वारा पूरे विश्व के प्राचीन काल के संदर्भ में की गई रिसर्च में भी यह तथ्य उभरकर सामने आ रहे हैं। भारत क्यों और कैसे विश्व गुरु के पद पर आसीन रहा है, इस संदर्भ में कहा जा रहा है कि भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के नियमों के आधार पर भारतीय नागरिक समाज में अपने दैनंदिनी कार्य कलाप करते रहे हैं। साथ ही, भारतीयों के डीएनए में आध्यतम पाया जाता रहा है जिसके चलते वे विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अपने कार्यों को धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। लगभग समस्त भारतीय, काम, अर्थ एवं कर्म को भी धर्म से जोड़कर करते रहे हैं। काम, अर्थ एवं कर्म में चूंकि तामसी प्रवृत्ति का आधिक्य बहुत आसानी से आ जाता है अतः इन कार्यों को तासमी प्रवृत्ति से बचाने के उद्देश्य से धर्म से जोड़कर इन कार्यों को सम्पन्न करने की प्रेरणा प्राप्त की जाती है।

प्रहलाद सबनानी

जैसे, भारतीय शास्त्रों में काम में संयम रखने की सलाह दी जाती है तथा अर्थ के अर्जन को बुरा नहीं माना गया है परंतु अर्थ का अर्जन केवल अपने स्वयं के हित के लिए करना एवं इसे समाज के हित में उपयोग नहीं करने को बुरा माना गया है। इसी प्रकार, दैनिक जीवन में किए जाने वाले कर्म भी यदि धर्म आधारित नहीं होंगे तो जिस उद्देश्य से यह मानव जीवन हमें प्राप्त हुए है, उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकेगी।प्राचीनकाल में भारत में राजा का यह कर्तव्य होता था कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट नहीं हो और यदि किसी राज्य की प्रजा को किसी प्रकार का कष्ट होता था तो वह नागरिक अपने कष्ट निवारण के लिए राजा के पास पहुंच सकता था। परंतु, जैसे जैसे राज्यों का विस्तार होने लगा और राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो उस राज्य में निवास कर रहे नागरिकों के कष्टों को दूर करने के लिए धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन भी आगे आने लगे एवं नागरिकों के कष्टों को दूर करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करने लगे। समय के साथ साथ धनाडय वर्ग भी इस पावन कार्य में अपनी भूमिका निभाने लगा। फिर, और आगे के समय में एक नागरिक दूसरे नागरिक की परेशानी में एक दूसरे का साथ देने लगे। परिवार के सदस्यों के साथ पड़ौसी, मित्र एवं सहृदयी नागरिक भी इस प्रक्रिया में अपना हाथ बंटाने लगे। इस प्रकार प्राचीन भारत में ही व्यक्ति, परिवार, पड़ौस, ग्राम, नगर, प्रांत, देश एवं पूरी धरा को ही एक दूसरे के सहयोगी के रूप में देखा जाने लगा। ÷वसुधैव कुटुंबकम÷, ÷सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय÷, ÷सर्वे भवंतु सुखिन÷ का भाव भी प्राचीन भारत में इसी प्रकार जागृत हुआ है। ÷व्यक्ति से समष्टि÷ की ओर, की भावना केवल और केवल भारत में ही पाई जाती है।

वर्तमान काल में लगभग समस्त देशों में चूंकि समस्त व्यवस्थाएं साम्यवाद एवं पूंजीवाद के नियमों पर आधारित हैं, जिनके अनुसार, व्यक्तिवाद पर विशेष ध्यान दिया जाता है और परिवार तथा समाज कहीं पीछे छूट जाता है। केवल मुझे कष्ट है तो दुनिया में कष्ट है अन्यथा किसी और नागरिक के कष्ट पर मेरा कोई ध्यान नहीं है। जैसे यूरोपीयन देश उनके ऊपर किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पूरे विश्व का आह्वान करते हुए पाए जाते हैं कि जैसे उनकी समस्या पूरे विश्व की समस्या है परंतु जब इसी प्रकार की समस्या किसी अन्य देश पर आती है तो यूरोपीयन देश उसे अपनी समस्या नहीं मानते हैं। यूरोपीयन देशों में पनप रही आतंकवाद की समस्या पूरे विश्व में आतंकवाद की समस्या मान ली जाती है। परंतु, भारत द्वारा झेली जा रही आतंकवाद की समस्या यूरोप के लिए आतंकवाद नहीं है। यह पश्चिमी देशों के डीएनए में है कि विकास की राह पर केवल मैं ही आगे बढ़ूँ, जबकि भारतीयों के डीएनए में है कि सबको साथ लेकर ही विकास की राह पर आगे बढ़ा जाय। यह भावना भारत में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों में भी कूट कूट कर भरी है। इसी तर्ज पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। संघ के लिए राष्ट्र प्रथम है, और भारत में निवास करने वाले हम समस्त नागरिक हिंदू हैं, क्योंकि भारत में निवासरत प्रत्येक नागरिक से सनातन संस्कृति के संस्कारों के अनुपालन की अपेक्षा

की जाती है। भले ही, हमारी पूजा पद्धति भिन्न भिन्न हो सकती है, परंतु संस्कार तो समान ही रहने चाहिए। इसी विचारधारा के चलते आज संघ देश के कोने कोने में पहुंचने में सफल रहा है। संघ ने न केवल राष्ट्र को एकजुट करने का काम किया है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के समय तथा उसके बाद राहत एवं पुनर्वास कार्यों में भी अपनी सक्रिय भूमिका सफलतापूर्वक निभाई है। इस वर्ष संघ अपना शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है परंतु संघ इसे अपनी उपलब्धि बिल्कुल नहीं मानता है बल्कि संघ के लिए तो शताब्दी वर्ष भी जैसे स्थापना वर्ष है और उसी उत्साह से अपने कार्य को विस्तार तथा सुदृढीकृत करते हुए आगे बढ़ने की बात कर रहा है। संघ का अपनी 100 वर्षों की स्थापना सम्बंधी उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाने का विचार नहीं है बल्कि इस उपलक्ष में संघ के स्वयंसेवकों से अपेक्षा की जा रही है कि वे आत्मचिंतन करें, संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार प्रकट करें एवं राष्ट्र के लिए समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करें। शताब्दी वर्ष में समस्त स्वयंसेवकों से अधिक सावधानी, गुणवत्ता एवं व्यापकता से कार्य करने का संकल्प लेने हेतु आग्रह किया जा रहा है।

आज संघ कामना कर रहा है कि पूरे विश्व में निवास कर रहे प्राणी शांति के साथ अपना जीवन यापन करें एवं विश्व में लड़ाई झगड़े का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। अतः हिंदू सनातन संस्कृति का पूरे विश्व में फैलाव, इस धरा पर निवास कर रहे समस्त प्राणियों के हित में है। इस संदर्भ में आज हिंदू सनातन संस्कृति को किसी भी प्रकार का प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि अब तो विकसित देशों द्वारा की जा रही रिसर्च में भी इस प्रकार के तथ्य उभर कर सामने आ रहे हैं कि भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है और यह हिंदू सनातन संस्कृति के अनुपालन से ही सम्भव हो सका है। अतः आज विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से हिंदू सनातन संस्कृति को पूरे विश्व में ही फैलाने की आवश्यकता है। परम पूज्य डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी ने भी संघ की स्थापना के समय कहा था कि संघ कोई नया कार्य शुरू नहीं कर रहा है, बल्कि कई शताब्दियों से चले आ रहे काम को आगे बढ़ा रहा है। संघ का यह स्पष्ट मत है कि धर्म के अधिष्ठान पर आत्मविश्वास से परिपूर्ण संगठित सामूहिक जीवन के आधार पर ही हिंदू समाज अपने वैश्विक दायित्व का निर्वाह प्रभावी रूप से कर सकेगा। अतः हमारा कर्तव्य है कि सभी प्रकार के भेदों को नकारने वाला समरसता युक्त आचरण, पर्यावरण पूरक जीवनशैली पर आधारित मूल्याधिशिष्ठ परिवार, स्व बोध से ओतप्रोत और नागरिक कर्तव्यों के लिए प्रतिबद्ध समाज का निर्माण करें एवं इसके आधार पर समाज के सब प्रश्नों का समाधान, चुनौतियों का उत्तर देते हुए भौतिक समृद्धि एवं आध्यात्मिकता से परिपूर्ण समर्थ राष्ट्रजीवन खड़ा करें। संघ का यह भी स्पष्ट मत है कि हिंदुत्व की रक्षा और उसका सशक्तिकरण ही विश्व में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। 99 वर्षों की साधना के बाद संघ का प्रभाव देश में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, और राष्ट्र का कायाकल्प हो रहा है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी भावना और हिंदू संस्कृति को ऊर्जा के स्त्रोतों के रूप में पुनर्परिभाषित करने के प्रयास तेज हो चुके हैं।

उक्त संदर्भ में संघ द्वारा नवम्बर 2025 से जनवरी 2026 के दौरान किन्हीं तीन सप्ताह तक बड़े पैमाने पर घर घर सम्पर्क अभियान की योजना बनाई गई है, इसका विषय ÷हर गांव, हर बस्ती, हर घर÷ होगा। साथ ही, संघ द्वारा समस्त मंडलों और बस्तियों में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों में बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक नागरिक के जीवन में एकता और सद्भाव, राष्ट्र के विकास में सभी का योगदान और पंच परिवर्तन में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी, का संदेश दिया जाएगा। प्रत्येक खंड एवं नगर स्तर पर सामाजिक सद्भाव बैठकें भी आयोजित की जाएंगी, इन बैठकों में एक साथ मिलकर रहने पर बल दिया जाएगा। इन बैठकों का उद्देश्य सांस्कृतिक आधार और हिंदू चरित्र को खोए बिना आधुनिक जीवन जीने का संदेश देना होगा। प्रयागराज में हाल ही में सम्पन्न महाकुम्भ में समस्त क्षेत्रों में लोग एक साथ आए थे, किसी को भी किसी नागरिक की जाति, मत, पंथ, आदि की जानकारी नहीं थी। विभिन्न नगरों के संभ्रांत नागरिकों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने की योजना बनाई जा रही है। इसी प्रकार, युवाओं के लिए भी राष्ट्र निर्माण, सेवा गतिविधियां एवं पंच परिवर्तन पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना विभिन्न प्रांतों द्वारा तैयार की जा रही है। आज भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरह अन्य धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों को भी आगे आकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने में अपना योगदान देने की आवश्यकता है।

शिक्षा का बढ़ता बाजारीकरण और सरकारी खामोशी...

बचपन अतुलित आनंद यानी चंचलता और हंसने-हंसाने का नाम है। कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने लिखा है, 'चिंता रहित खेलना, खाना और निर्भय स्वच्छंद फिरना..! कैसे भूला जा सकता है बचपन का अतुलित आनंद।' इसलिए बचपन का स्वागत उत्साह एवं भावनाओं से हो। बच्चों के पाठ्यक्रम की चर्चा की जाए तो वह मनोरंजन, यानी हंसने-हंसाने के साथ अधिगम (समझ) हासिल करने वाला होना चाहिए। बरसों से यह बात सुर्खियों में रहती आई है कि गैरसरकारी और निजी स्कूल संचालकों द्वारा बच्चों की पढ़ाई के निमित्त मोटी फीस वसूली जाती है। पाठ्यक्रम के नाम पर भारी-भरकम पुस्तकें बचपन पर थोपी जा रही है।

राजेंद्र जोशी

पाठ्य सामग्री ऊंची कीमत पर खरीदने के लिए अभिभावकों पर परोक्ष, तो कहीं-कहीं प्रत्यक्ष दबाव बनाया जाता है। शिक्षा खुलेआम बेची जा रही है और वह भी ऊंचे दामों पर। अभिभावक मजबूरी में खरीद रहे है। बच्चों की शिक्षा के नाम पर ऊंचे दाम पर शिक्षा बिकती है, मोटी रकम वसूली जा रही होती है, ऐसे में संबंधित प्रदेश और देश की सरकार का दायित्व उसे संभालने का होना चाहिए। आए दिन ऐसी खबरें प्रमुखता से छपती हैं कि निजी स्कूल ऊंचे दामों की किताबें और मोटी रकम फीस के तौर पर अभिभावकों से मांग कर रहे हैं।

वर्षों से शिक्षाविद इसकी मांग कर रहे हैं कि पाठ्यक्रम चाहे बच्चों का हो या ऊंची कक्षाओं में एकरूपता होनी चाहिए। कहने का आशय यह है कि सरकारी स्कूलों के लिए पाठ्यक्रम कुछ और हो, गैर सरकारी निजी स्कूलों के लिए कुछ और। जबकि इसमें एकरूपता परम आवश्यक है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने इस पर सख्ती दिखाई थी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने के बाद निजी विद्यालय द्वारा फीस वृद्धि नियंत्रित करने के लिए अनुशंसाएं करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था। तब

राज्य सरकार द्वारा राजस्थान विद्यालय (फीस का विनिमेय) अधिनियम, 2016 एवं नियम 2017 निर्धारित कर लागू किए गए। इस अधिनियम में प्रत्येक विद्यालय में माता-पिता अध्यापक संगम की स्थापना करने और इस संगम की देखरेख में विद्यालय स्तरीय फीस समिति का गठन करने का प्रावधान किया गया है। हालांकि निजी विद्यालय इस समिति के जरिए फीस वृद्धि करते हैं, लेकिन शासन और विभागीय अधिकारियों के स्तर से सूक्ष्म निगरानी और नियंत्रण नहीं होने के कारण इन समितियों के नाम पर विद्यालय द्वारा लीपापोती कर शुल्क वृद्धि कर लेने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। नियम और व्यवस्था के नाम पर महज लीपापोती न होकर आवश्यकता इस बात की है कि शासन का प्रत्येक स्तर पर 'फ्रेंड फिलास्फर गाइड' यानी मित्र-दार्शनिक सिद्धांत के अनुसार विद्यालयों पर प्रभावी नियंत्रण हो। ऐसे वातावरण के निर्माण की आवश्यकता है, जिसमें विद्यालय शिक्षा का कार्य एक पुनीत, सामाजिक दायित्व और अपना स्वयं का कार्य मानकर पूर्ण प्रतिबद्धता तथा ईमानदारी के साथ निर्वहन करें। वर्तमान में इस सिद्धांत के अनुसार काम कम ही हो रहा लगता है। ऐसा लगता है कि निजी स्कूलों को अपना पाठ्यक्रम निर्धारण करने और मनमानी फीस वसूलने का अधिकार दे दिया गया है।

शिक्षा का सार्वजनिकीकरण और निजी क्षेत्र की भागीदारी जरूरी हो सकती है, लेकिन बच्चों को क्या परोसा जा रहा है, उसकी पड़ताल सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। वर्तमान में निजी क्षेत्र को सहायक सामग्री के रूप में पाठ्यक्रम लागू करने और बोर्ड के अतिरिक्त सभी तरीके के परीक्षा-पत्र अपने स्तर पर तैयार करने का अधिकार देने से शिक्षा की एकरूपता समाप्त हो रही है, वहीं शिक्षा बेलगाम तरीके से महंगी और बाजार आधारित होती जा रही है।

राज्य और केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के निर्धारित पाठ्यक्रम के साथ-साथ हर विषय के साथ एक सहायक सामग्री की पुस्तक लगाने की छूट देना शिक्षा को महंगी करने की राह तैयार करेगा। जिस प्रकार वस्तुओं के मूल्य निर्धारण का अधिकार सरकार ने अपने पास नहीं रखा, ठीक उसी प्रकार शिक्षा तंत्र की फीस और पाठ्यक्रम निर्धारण का कार्य सरकार ने बाजार के हवाले कर दिया। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में जिस प्रकार केंद्रीय और राज्य बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू होता है, ऐसे में पाठ्यक्रम और परीक्षा-पत्रों की समानता बनी रहती है।

नई शिक्षा नीति में बोर्ड की अवधारणा तो लगभग समाप्त किया जाना है, जिसके परिणाम भविष्य के गर्भ में हैं। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए कि निजी शिक्षण संस्थानों का पाठ्यक्रम सरकारी पाठ्यक्रम से अलहदा न हो। नर्सरी से आठवीं कक्षा तक पाठ्यक्रम निर्धारण सरकार को करना चाहिए और सहायक शिक्षण सामग्री की छूट पर पाबंदी लगाना चाहिए। इससे निजी शिक्षण संस्थाओं के बेजा पाठ्यक्रम पर लगाम लगेगी। अभिभावकों पर पाठ्यक्रम के नाम पर महंगी किताबों पर अपने आप ही अंकुश लगेगा। उच्च पेशेवर शिक्षा में चिकित्सा, इंजीनियरिंग का एक ही पाठ्यक्रम होता है, एक ही परीक्षा होती है और उसकी फीस भी सरकार निर्धारित करती है। इसी प्रकार प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भी एक पाठ्यक्रम और एक फीस का निर्धारण सरकारी स्तर पर किया जाना चाहिए, तभी मोटी फीस और महंगे पाठ्यक्रम से निजात मिलेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के अध्यक्ष रहे देश के ख्यातनाम वैज्ञानिक और शिक्षाविद प्रोफेसर यश पाल की अध्यक्षता में गठित कमेटी (1992) की रपट 'लर्निंग विदाउट बर्डन' में वर्णित अनुशंसाओं को नए सिरे से विश्लेषित कर उस पर अमल की आवश्यकता है।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर होगा जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम: मुख्यमंत्री

अन्याय-अत्याचार व भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने से ही बाबा साहेब के सच्चे अनुयायी कहलाएंगेः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हजरतगंज स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर किया पुष्पार्चन
अंबेडकर महासभा में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए मुख्यमंत्री
पिछले मुख्यमंत्री नहीं आए तो लोगों को लगा कि मैं भी नहीं आऊंगाः योगी
बोले- संविधान के कारण भारत ने सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में आज भी जमाई है धाक
बाबा साहेब के सपने को साकार करने का प्रयास अटल जी ने किया, गति मोदी जी ने दीः मुख्यमंत्री
बोले- बाबा साहेब ने अपमान सहा, लेकिन भारत का अपमानित नहीं होने दिया

सांई मीडिया ब्यूरो

लखनऊ, 14 अप्रैलः* मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर होगा। यह कार्यक्रम इसी महीने आगे बढ़ाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर गरीब-वंचित को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए पीएम मोदी की प्रेरणा से सरकार ने जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम को अपने हाथ में लिया है। जीरो पॉवर्टी का मतलब कोई गरीब-वंचित न रह पाए। वह सभी प्रकार की सुविधाओं से युक्त हो। पिछले 8 वर्ष में मुसहर, थारू, वनटांगिया, कोल, बुक्सा, चेरो, गोड़, सहरिया को पूरी तरह से सेचुरेट करने का कार्य किया गया। हर जरुरतमंद को सुविधाओं का लाभ दिलाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर अंबेडकर महासभा की तरफ से सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं। मुख्यमंत्री ने स्मारिका का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में 14-15 लाख परिवारों को जोड़ेंगे। हर ग्राम पंचायत में 20-25 ऐसे परिवार होंगे, जिन्हें बहुत सारी सुविधाएं नहीं मिली होंगी। डबल इंजन सरकार उन्हें वह सुविधा उपलब्ध कराएगी। सीएम ने कहा कि यह योजना इसलिए बाबा साहेब के नाम पर जानी जाएगी, क्योंकि देश में शैक्षणिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से समुन्नत करने का दर्शन उन्होंने ही दिया था। यूपी देश का पहला राज्य होगा, जो जीरो पॉवर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि 1891 में मध्य प्रदेश के महू में उनका जन्म हुआ। विलक्षण बुद्धि और कुछ करने की तमन्ना के भाव के कारण उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड की तरफ प्रस्थान का निश्चय किया। महाराजा बडोदरा ने छात्रवृत्ति दी, जिस पर वे वहां गए और दुनिया की उच्चतम शिक्षा की डिग्री हासिल कर वापस भारत आए। उनका एक ही संकल्प था कि कोटि-कोटि वंचितों-दलितों को उनका अधिकार दिलाना है। न सिर्फ देश, बल्कि नागरिकों की आजादी के लिए भी कार्य करना है। बाबा साहेब देश की आजादी के आंदोलन में कूद पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ। पहली संगठित सरकार के न्याय मंत्री और संविधान समिति के ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। भारत का संविधान आज भी प्रत्येक नागरिकों को जोड़ने का सामर्थ्य रखता है। जो लोग भारत की एकता के पक्षधड़ नहीं थे, वे हंसते थे कि भारत स्वतंत्र तो हो रहा है पर एकजुट नहीं रह पाएगा। उनकी मंशा धरी की धरी रह गई। उत्तर से दक्षिण व पूरब से पश्चिम तक 140 करोड़ लोग एकता के सूत्र में बंधे हैं। संविधान के कारण भारत ने सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में आज भी अपनी धाक जमाई है।

सीएम ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर किया पुष्पार्चन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार की सुबह सबसे पहले हजरतगंज स्थित भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल, विधायक योगेश शुक्ल, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, पवन सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब के सपने को साकार करने का प्रयास पहली बार अटल जी ने प्रारंभ किया, उसे नई गति दी पीएम मोदी ने। शैक्षणिक हो या आर्थिक, हर क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। पीएम मोदी ने इसे आगे बढ़ाया। दुनिया में भारत एक मात्र ऐसा देश है, जिसने कोरोना में भी हर नागरिक को उसका अधिकार दिलाया। सीएम ने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष में दो-तीन बार इस कार्यक्रम में आने का अवसर प्राप्त होता है। 2017 में जब बाबा साहेब की जयंती पर मैंने निर्मल जी को फोन किया तो उन्होंने कहा कि हमें बहुत अच्छा लगेगा, क्योंकि पिछले मुख्यमंत्री नहीं आए थे। मैंने कहा कि मैं आऊंगा। उस समय घोषणा की गई कि गरीब जहां रहेगा, उसे वहीं जमीन का पट्टा और पक्का मकान उपलब्ध कराएंगे। यूपी ने अब तक एक करोड़ गरीब-दलित परिवारों को पीएम स्वामित्व योजना के तहत घरौनी उपलब्ध करा दी है। उसे कोई उजाड़ नहीं सकता है। अब तक 56 लाख गरीबों का आवास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

मुख्यमंत्री ने सीएम युवा उद्यमी अभियान की चर्चा करते हुए बताया कि यह योजना युवाओं और खासतौर पर एससी-एसटी व अतिपिछड़ी जाति से जुड़े युवाओं के लिए लाई गई है। अब तक 30 हजार से अधिक युवाओं को बैंकों से ब्याज व गारंटी मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा चुका है। आने वाले समय में हम प्रतिवर्ष एक लाख युवाओं को इस सुविधा से जोड़ने वाले हैं। जो भी कारोबार करना चाहता है, वह प्रशिक्षण लेकर कार्यक्रम से जुड़ सकता है। मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों के सामुदायिक शौचालय को लेकर आश्वस्त किया कि यहां नियमित रूप से समिति को हर महीने मानदेय मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब व जोगेंद्र नाथ मंडल का जिक्र करते हुए कहा कि इतिहास की घटनाएं सबक होती हैं। बाबा साहेब को बहुत सारे लोगों ने लालच दिया, लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। बाबा साहेब ने 'आदि से अंत तक भारतीय हूं' संकल्प का उद्घोष किया। उन्होंने अपमान सहा, लेकिन भारत को अपमानित नहीं होने दिया। इस महानता के कारण स्वतंत्र भारत उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। देश में बाबा साहेब की पूजा हो रही है, लेकिन जोगेंद्र नाथ मंडल के बारे में कोई नहीं जानता। इतिहास की गलतियां माफ नहीं करती हैं। समाज-देश को कमजोर करने वाला कार्य कभी नहीं होना चाहिए। हमारा अस्तित्व तभी है, जब देश है। देश को कमजोर करने वाली ताकतें काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश हमारे लिए सबक है। मोदी जी ने दलितों-वंचितों को सम्मान दिलाया। बाबा साहेब के पंचतीर्थों हों या बांग्लादेश-पाकिस्तान व अफगानिस्तान में पीड़ित-प्रताड़ित मानवता, उन्हें भारत में शरण दिया। वहीं कुछ लोगों ने आंदोलन के जरिए व्यवस्था बिगाड़ने का कार्य किया। कांग्रेस व सपा ने बाबा साहेब के जीते जी उनका अपमान किया और कोशिश की कि न रहने के बाद भी उनके मूल्य-आदर्श स्थापित न हों। कांग्रेस ने दिल्ली में उनका स्मारक नहीं बनने दिया। सपा कहती थी कि बाबा साहेब का स्मारक बनेगा तो तोड़ेंगे, लेकिन आज बाबा साहेब को सम्मान मिल रहा है, उनके मूल्यों-आदर्शों के प्रति पूरा भारत सम्मान व कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है।

अन्याय-अत्याचार व भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने से ही बाबा साहेब के सच्चे अनुयायी कहलाएंगे

सीएम ने आह्वान किया कि हम सभी बाबा साहेब के मूल्यों के प्रति जागरूक हों। उन्होंने कहा था कि शिक्षित बनो, शिक्षित रहेंगे तो भटक नहीं पाएंगे। सरकार सुविधा दे रही है, उसका लाभ लेकर बच्चों को पढ़ाइए। उन्होंने संगठित होकर कार्य करने, वंचितों-दलितों की मदद, आर्थिक रूप से समुन्नत बनने को कहा और यह सब शिक्षा से ही संभव है। उस मार्ग का अनुसरण करेंगे तो आने वाली पीढ़ी को उज्ज्वल भविष्य दे पाएंगे। अन्याय-अत्याचार व भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने के लिए तैयार होने से ही हम बाबा साहेब के सच्चे अनुयायी कहलाएंगे।

दलित-गरीबों के उत्थान की मिसाल बनी योगी सरकार की योजनाएं

बाबा साहब के विचारों को साकार कर रहे सीएम योगी, समता-सम्मान की राह पर बढ़ा उत्तर प्रदेश
- दलित-वंचितों के लिए शिक्षा से लेकर स्वरोजगार, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान में हुआ ऐतिहासिक विस्तार
- दलित बहुल ग्राम पंचायतों में आवास, बिजली, पानी और सड़क समेत सभी सुविधाओं का विस्तार
- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का दलित, पिछड़े वर्गों को मिला सबसे अधिक लाभ

सांई मीडिया ब्यूरो

लखनऊ, 14 अप्रैल।* योगी सरकार की दलित उत्थान से संबंधित योजनाएं सामाजिक न्याय के आदर्शों को साकार करती दिख रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते आठ वर्षों में राज्य सरकार ने शिक्षा, स्वरोजगार, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान जैसे क्षेत्रों में जो ठोस कदम उठाए हैं, वह दलित समाज को न केवल बराबरी का हक दिला रहे हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी प्रेरक साबित हो रहे हैं। बीते आठ सालों में योगी सरकार अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम प्रदेश में दलित सशक्तीकरण की नई इबारत लिखी है।योगी सरकार ने बाबा साहब के 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के मंत्र को धरातल पर उतारने का संकल्प लेते हुए प्रदेश के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 100 सर्वोदय विद्यालयों की स्थापना की है, जिसमें अनुसूचित जाति के लिए 60 प्रतिशत व अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित की हैं। इन विद्यालयों में 2.65 लाख बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। छात्रों को यूनिफॉर्म, किताबें, स्टेशनरी और टैबलेट जैसी सुविधाएं भी दी जा रही हैं, जिससे शिक्षा का स्तर सुधरा है और नामांकन दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। योगी सरकार ने मिरजापुर के मड़िहान में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय (बालिका) विद्यालय में जेईई और नीट के लिए लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना की है। साथ ही टीसीएस, खान अकादमी, एम्बाइब इत्यादि संस्थानों से एमओयू कर तकनीकी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की है। इसके अलावा योगी सरकार अनुसूचित जनजाति के बच्चों को कक्षा 6 से 12 तक गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान किए जाने के उद्देश्य से एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय संचालित कर रही है। जिसमें 1440 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। बीते आठ वर्षों में योगी सरकार ने अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए भी शिक्षा को लेकर

प्रतिबद्धता दिखाई है। इनके लिए अनुसूचित जाति पूर्वदशम के 33,38,180 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति से लाभांवित किया गया है वहीं दशमोत्तर के लिए 88,61,997 लाभार्थियों को योगी सरकार ने छात्रवृत्ति योजना के तहत लाभ प्रदान किया है। दलित व अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार ने छात्रवृत्ति योजनाओं में भारी निवेश किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना हेतु 968 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। योगी सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के बजट में पिछड़े वर्गों के विकास को भी प्राथमिकता दी है। पिछड़ा वर्ग पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत 2825 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, पिछड़े वर्ग के निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी में आर्थिक सहायता के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण दिलाने हेतु 35 करोड़ रुपये की राशि प्रस्तावित की गई है। इससे प्रदेश के हजारों युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

2017 से सत्ता में आने के बाद योगी सरकार ने जनजाति कल्याण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया। पीएम-जनमन के अंतर्गत पीवीटीजी को शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, पक्के मकान, सड़के, पेयजल, दूरसंचार, सोलर लाईट आदि मूलभूत सुविधाएं मौहैया कराई जा रही है। प्रदेश की बुक्सा जनजाति के सबी 815 परिवारों को योजना से लाभा देकर उनकी सामाजिक सुरक्षा और विकास सुनिश्चित किया है। साथ ही 42 वनग्राम को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित कर उनका विकास किया गया है। स्वरोजगार के क्षेत्र में योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं वित्त विकास निगम लिमटेड के माध्यम से अब तक 1.08 लाख दलित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा है। साथ ही उनकी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 955.49 करोड़ रुपये स्वीकृत कर करीब 1.20 लाख दलितों को ऋण सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। इनमें अधिकांश लाभार्थियों को 50% अनुदान के साथ लोन मिला है। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत 1,951 दलित बहुल गांवों में 93,400 विकास कार्य कराए गए हैं। सोलर लाइट, शौचालय, पेयजल, सड़क और सार्वजनिक सुविधाओं के निर्माण से इन गांवों की तस्वीर बदली है। इनमें रहने वाले करीब 19 लाख वंचितों को इसका लाभ मिला। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के आंकड़े यह स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के लिए यह योजना कितनी प्रभावशाली साबित हुई है। अब तक इस योजना का सबसे अधिक लाभ दलित वर्ग ने उठाया है, जिसमें 2.20 लाख से अधिक गरीब परिवारों की बेटियों की शादी कराई गई है। वहीं, पिछड़े वर्ग के 1.30 लाख परिवार और अल्पसंख्यक वर्ग के 40,000 से अधिक परिवार इस योजना के लाभार्थी बने हैं। बाबा साहब के विचारों को समर्पित ये योजनाएं न केवल दलित समाज का सामाजिक और आर्थिक उत्थान कर रही हैं, बल्कि उन्हें गरिमा और आत्मसम्मान के साथ जीने का आधार भी दे रही हैं।

कभी कर्मचारियों को वेतन देने के पैसे नहीं थे, आज यूपी रेवेन्यू सरप्लस स्टेट : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक को किया संबोधित

कहा, फिक्की ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और ईकोसिस्टम बनाने में सरकार का साथ दिया
- उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता व श्रम बाजार : सीएम योगी
- महाकुंभ का सफल आयोजन यूपी की क्षमता को दिखाता है : योगी आदित्यनाथ
- उत्तर प्रदेश अब बीमारू नहीं, बल्कि देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है : योगी
- राज्य में स्थापित है कानून का शासन, लाउडस्पीकरों के शोर को बंद किया गया : मुख्यमंत्री
- उद्योगों के लिए सरकार ने बनाया निवेश का बेहतरीन माहौल : सीएम योगी

सांई मीडिया ब्यूरो

लखनऊ, 14 अप्रैल।* मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य और उपभोक्ता व श्रम बाजार, उद्यमियों का स्वागत करता है। उन्होंने इस अवसर को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आज भारत के संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती है। मुख्यमंत्री ने फिक्की को उत्तर प्रदेश के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि इस संगठन ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और ईकोसिस्टम बनाने में सरकार का साथ दिया है। विशेष रूप से, इन्वेस्टर समिट 2018 और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा है। उन्होंने कहा कि जो उत्तर प्रदेश कभी अपने कर्मचारियों को वेतन देने की भी स्थिति में नहीं था, आज वह रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है।

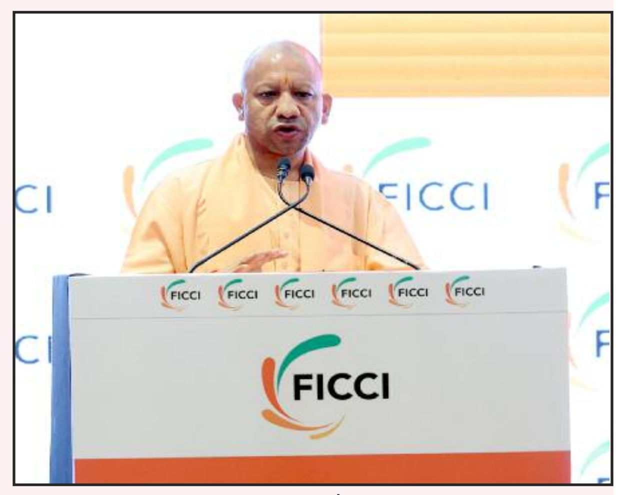

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत की जनसंख्या के हिसाब से सबसे बड़ा राज्य है, फिर भी यह लंबे समय तक 'बीमारू' राज्य के रूप में जाना जाता था। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के समय उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी, लेकिन धीरे-धीरे यह घटकर एक तिहाई रह गई। हालांकि, पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसे देश और दुनिया ने देखा है। नीति निर्माण में फिक्की जैसे संगठनों का सहयोग इस बदलाव का एक प्रमुख कारण रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू नहीं, बल्कि देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है और देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राज्य ने अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने वित्तीय चुनौतियों का जिक्र करते हुए बताया कि 2017 में सरकार बनने के बाद किसानों की कर्ज माफी जैसे प्रस्तावों के लिए धन की कमी थी। उस समय बैंकों का सहयोग नहीं मिलता था और कर्मचारियों के वेतन के लिए भी संसाधन नहीं थे। लेकिन, सरकार ने बजट में 36 हजार करोड़ रुपये की रिसाव (लिकेज) को चिह्नित कर उसे समाप्त किया, जिससे आज उत्तर प्रदेश राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) वाला राज्य बन गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में अराजकता, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के कारण लोग अपनी पहचान छिपाने को मजबूर थे। उन्होंने महाकुंभ के उदाहरण से समझाया कि 2017 से पहले कुंभ में गंदगी और अव्यवस्था थी, लेकिन इस बार स्वच्छता और सुव्यवस्था ने सबका ध्यान खींचा। आज पूरे राज्य में कानून का शासन (रूल ऑफ लॉ) स्थापित है। अनावश्यक लाउडस्पीकरों को हटाया गया, सड़कों पर धार्मिक आयोजन को नियंत्रित किया गया और बेटियों व व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। पुलिस भर्तियों में पारदर्शिता लाई गई और 60 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देकर नियुक्त किया गया।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर जोर देते हुए कहा कि पहले राज्य की पहचान खराब सड़कों और अंधेरे से थी। लेकिन आज उत्तर प्रदेश के पास देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे नेटवर्क, मेट्रो रेल, रेल नेटवर्क और जलमार्ग है। राज्य में चार लाख किलोमीटर का नेशनल हाईवे नेटवर्क, 16 कार्यशील हवाई अड्डे (चार अंतरराष्ट्रीय और 12 घरेलू) हैं और एशिया का सबसे बड़ा जेवर हवाई अड्डा निमार्णाधीन है। इसके अलावा, लॉजिस्टिक हब और ड्राईपोर्ट जैसे कदमों ने उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए कई कदम उठाए हैं। उत्तर प्रदेश में 122 चीनी मिलें संचालित हो रही हैं और गन्ना किसानों का बकाया अब 3 से 7 दिनों में भुगतान किया जा रहा है। पिछले आठ वर्षों में डीबीटी के माध्यम से गन्ना मूल्य का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया गया है। उद्योगों के लिए भी सरकार ने निवेश माहौल को बेहतर बनाया। 2017 में जब सैमसंग और टीसीएस जैसी कंपनियां उत्तर प्रदेश छोड़ने को तैयार थीं, तब सरकार ने उन्हें विश्वास दिलाया और आज तो 15 लाख करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर उतर चुका है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 33 सेक्टोरियल नीतियों और निवेश मित्र पोर्टल के जरिए 500 से अधिक मंजूरियां सिंगल विंडो सिस्टम से दी जा रही हैं। एमएसएमई को पुनर्जीवित किया गया और उद्यमियों के अनावश्यक उत्पीड़न को समाप्त किया गया। उन्होंने एक उदाहरण साझा किया कि 2017 में मुंबई में एक उद्यमी ने उनसे सुरक्षा की गारंटी मांगी थी। उस उद्यमी ने बाद में 4 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया और 2023 में उत्तर प्रदेश को निवेश का 'ड्रीम डेस्टिनेशन' बताया।मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के सफल आयोजन को उत्तर प्रदेश की क्षमता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में साढ़े सात हजार करोड़ रुपये खर्च कर इन्फ्रास्ट्रक्चर का कायाकल्प किया गया। महाकुंभ को लेकर विपक्षी सवाल उठाते थे, पूछते थे कि क्या महाकुंभ कराना सरकार का कार्य है। मगर आप सभी ने देखा होगा कि महाकुंभ केवल प्रयागराज तक सीमित नहीं था, बल्कि काशी, अयोध्या, मथुरा जैसे शहरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इससे व्यापार को बढ़ावा मिला और उत्तर प्रदेश की छवि बदली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में उत्तर प्रदेश और फिक्की की भूमिका महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, फिक्की के अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनंत गोयनका और उत्तर प्रदेश फिक्की के अध्यक्ष मनोज गुप्ता सहित देशभर के उद्यमी उपस्थित रहे।

राम मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश स्थापित, मुख्यमंत्री योगी ने जताई प्रसन्नता

भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण ने पार किया एक और पड़ाव

सांई मीडिया ब्यूरो

अयोध्या, 14 अप्रैल।* अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण ने सोमवार को एक और ऐतिहासिक पड़ाव पार कर लिया। ब्राह्मणों की उपस्थिति में वैदिक विधि-विधान के साथ मुख्य शिखर पर कलश स्थापित किया गया। यह पवित्र कार्य सुबह 9:15 बजे शुरू हुआ और 10:30 बजे शिखर पर कलश की स्थापना पूरी हुई।इस अवसर पर अयोध्या में उत्सव का माहौल रहा और स्थानीय लोगों ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। राम मंदिर के निर्माण और अयोध्या के कायाकल्प से न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश में रामभक्ति की लहर और मजबूत हो रही है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि वैशाखी और बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जन्म जयंती के शुभ अवसर पर यह कार्य संपन्न हुआ। अब मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजदंड स्थापना की प्रक्रिया शुरू होगी। मंदिर निर्माण प्रगति पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस

उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि राम मंदिर का निर्माण न केवल आध्यात्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा की अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण देशवासियों की आस्था और संकल्प का परिणाम है। यह भारत की सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर और सशक्त करेगा। योगी ने ट्रस्ट और निर्माण कार्य से जुड़े सभी लोगों की सराहना की और इसे 'नए भारत' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अयोध्या को विश्वस्तरीय तीर्थस्थल बनाने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। सड़क, रेल और हवाई संपर्क के साथ-साथ पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। चंपत राय ने जानकारी दी कि मंदिर परिसर से अब निर्माण मशीनें हटाई जाएंगी। प्रथम तल पर राजा राम, परकोटे और सप्तऋषियों के मंदिरों में मूर्तियों की प्रतिष्ठा का कार्य भी शीघ्र शुरू होगा। मंदिर का निर्माण कार्य निर्धारित समय पर आगे बढ़ रहा है, जिससे भक्तों में उत्साह है।

काजोल ने खुद किया कन्फर्म, न्यासा नहीं बनेगी हीरोइन

बॉलीवुड के पावर कपल कहे जाने वाले काजोल और अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन अक्सर चर्चा में रहती हैं। कभी किसी फैशन इवेंट में शिरकत करती हैं, तो कभी किसी स्टार किड पार्टी में अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती दिख जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल होती हैं और हर बार एक सवाल फिर से उठता है ‍ क्या न्यासा फिल्मों में आने वाली हैं? लेकिन हाल ही में एक इवेंट में जब काजोल से ये सवाल सामने आया, तो उन्होंने बहुत ही साफ और बिना घुमाए जवाब दिया – नहीं। उसने खुद तय कर लिया है कि फिलहाल उसका फिल्मों में आने का कोई इरादा नहीं
काजोल हाल ही में एक इवेंट में गेस्ट बनकर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब उनसे बेटी न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल किया गया, तो काजोल मुस्कुराते हुए बोलीं, बिलकुल नहीं... नो। वो 22 साल की हो गई है, होने वाली है अभी। मुझे लगता है कि उसने अपना मन बना लिया है कि नहीं आने वाली है अभी। इवेंट में काजोल से पूछा गया कि अगर कोई नया लड़का या लड़की फिल्म लाइन में आना चाहता है, तो वो उसे क्या सलाह देंगी? इस पर काजोल ने कहा, सबसे पहली बात, हर किसी से सलाह मत लो। क्योंकि अगर तुम पूछोगे कि क्या करना चाहिए, तो सौ लोग खड़े हो जाएंगे और कहेंगे – नाक बदलो, हाथ बदलो, बालों का रंग बदलो, ये करो, वो करो और वैसे ही इंसान कन्फ्यूज हो जाता है।

अगली फिल्म में 'मां' के रोल में नजर आएंगी काजोल

काजोल के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी अगली फिल्म का नाम है मां, जो एक माइथोलॉजिकल हॉरर ड्रामा है। इस फिल्म को विशाल फुरिया डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक मार्च में सामने आया था, जिसमें काजोल एक मजबूत मां के रोल में दिखीं, जो किसी भी हद तक जाकर अपनी बेटी की हिफाजत करती है। इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगे रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा। मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

द रॉयल्स में बिजनेसवुमन के किरदार में दिखेंगी भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज द रॉयल्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस सीरीज में अपने रोल से लेकर सीरीज के बारे में भूमि ने कई बातों से पर्दा उठाया है। उन्होंने कहा... मैं द रॉयल्स को लेकर काफी एक्साइडेट हूं। मैं इससे ज्यादा उम्मीद नहीं लगाना चाहती, लेकिन चाहती हूं कि लोग इस सीरीज को कंटेंट के लिए देखें। अब तक रिलीज हुई टीजर और प्रोमो को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। ईशान और मेरी जोड़ी को साथ देखने के लिए लोग एक्साइटेड हैं और बतौर एक्टर मुझे यह देखकर अच्छा लगता है। बता दें कि इस सीरीज में भूमि एक ग्लैमरस और सक्सेसफुल बिजनेसवुमन के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने आगे कहा... मैं इस शो में एक टिपिकल हीरोइन वाला रोल निभा रही हूं। आज मैं जैसी दिखती हूं असल में वैसी ही हूं, लेकिन अगर मुझे किसी बेहतरीन रोल के लिए फिर से ट्रॉसफॉर्मेशन करना पड़ेगा, तो मुझे ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होगी। भूमि को पिछली बार फिल्म मेरे हस्बैंड की बीवी में देखा गया था। भूमि पेडनेकर को पिछली बार फिल्म मेरे हस्बैंड की बीवी में देखा गया था।

विशाल भारद्वाज निर्देशित शाहिद की फिल्म में तब्बू भी हुईं शामिल

शाहिद कपूर को पिछली बार फिल्म देवा में देखा गया था लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह मुंह के बल गिरी। इन दिनों एक्टर एक फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसके निर्देशन की कमान विशाल भारद्वाज को सौंपी गई है। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म की स्टार कास्ट में एक्ट्रेस तब्बू भी शामिल हो गई हैं। तब्बू ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह विशाल और शाहिद के साथ नजर आ रही हैं। इसमें कुछ अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा... लख्त-ए-जिगर अब प्रशंसक अनुमान लगा रहे हैं कि विशाल की आगामी फिल्म के लिए तब्बू और शाहिद फिर से साथ आ गए हैं। हालांकि इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस फिल्म में शाहिद की जोड़ी पहली बार तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। नाना पाटेकर भी फिल्म का हिस्सा हैं। साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। नाना पाटेकर भी फिल्म का हिस्सा हैं।

दर्शकों को प्रमोशन नहीं दमदार कंटेंट चाहिए

अजय देवगन इन दिनों सीक्वल और फ्रेंचाइज फिल्मों पर खासा ध्यान दे रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म रेड 2 है। जिसका ट्रेलर भी जारी किया जा चुका है। फिल्म 1 मई को रिलीज होने वाली है। जय देवगन ने फिल्म रेड 2 के ट्रेलर अ लॉन्च के मौके पर दर्शकों की पसंद और साउथ में फिल्मों के हाल पर कहा...कोविड महामारी के बाद से इंडस्ट्री अभी भी दर्शकों की पसंद और नापसंद को समझने की कोशिश कर रही है कि वे किस तरह की फिल्मों के लिए सिनेमाघरों का रुख करना चाहते हैं। हमें लगता है कि हमें एक अंदाजा मिला है कि उन्हें क्या चाहिए लेकिन यह सच है कि कोविड के दौरान दर्शकों की पसंद विकसित हुई है। हम उस बदलाव के अनुसार खुद को ढाल रहे हैं। वरना, विश्व स्तर पर भी कई फिल्में अपेक्षाकृत कम ही चल रही हैं। चाहे साउथ या हो या फिर हॉलीवुड।

सिनेमाघरों में दर्शकों की कमी की वजह टिकट कीमतें नहीं...

अजय ये भी कहते हैं कि आजकल किरदारों के क्रॉसओवर भी हो रहे हैं। मेरे विचार से विजय सलगांवकर (दृश्यम), अमय पटनायक (रेड) और सिंघम तीन अलग-अलग निर्देशकों की रचनाएं हैं। यदि वे सभी मिलकर कुछ करने का निर्णय लेते हैं कि तीनों किरदार साथ में आएं तो मैं निश्चित रूप से उसका हिस्सा बनूंगा। अजय आगे भी अपनी राय रखते हैं कि इन दिनों सिनेमाघरों में दर्शकों की कमी की असली वजह टिकट की कीमतें नहीं हैं क्योंकि जब दर्शक आ रहे हैं, तो वे उन्हीं सेम टिकट कीमतों पर आ रहे हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह मुख्य कारण है। वह पहले ही तय कर लेते हैं कि उन्हें कौन सी फिल्म देखनी है और कौन सी नहीं। जिस तरह का प्रमोशन हम डिस्कस करते हैं, उससे दर्शक आकर्षित नहीं होते। उन्हें दमदार कंटेंट चाहिए।

इस जिम्मेदारी को लेकर डरे हुए हैं ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन कृष 4 फिल्म से बतौर निर्देशक के रूप में नजर आने वाले हैं। इसकी जिम्मेदारी उन्हें उनके पिता ने सौंपी है। अमेरिका में एक इवेंट के दौरान ऋतिक ने बताया कि उन्हें निर्देशन की यह नई भूमिका निभाने में घबराहट हो रही है। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन इस समय यूएस टूर पर हैं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आती रहती हैं। इसी दौरान अभिनेता एक अमेरिकन इवेंट में पहुंचे, जहां एक वीडियो में वह यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि उनके इंदर एक फिल्म निर्माता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें लग रहा है कि वह किंडरगार्टन में वापस आ गए हैं, मतलब कि उन्हें लग रहा है कि वह फिर से किसी बिल्कुल नए चीज पर काम करने वाले हैं। ऋतिक रोशन ने आगे बातचीत में कहा कि कृष 4 फिल्म का निर्देशन उनके लिए एक नई चुनौती होगी, जिसमें दुविधा, तलाश और खोज शामिल होंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे कई पल आएंगे, जब उन्हें लगेगा कि उनके जीवन का ये सबसे खराब निर्णय है। अभिनेता ने कहा कि जब वह अकेले होंगे, तो वो अपने उन पलों को याद करेंगे जिसमें वो डर जाते थे। साथ ही कहा कि वह अपने दर्शकों के प्यार को याद करेंगे। फिल्म 'कृष 4' का जहां ऋतिक रोशन निर्देशन कर रहे हैं, जिसमें वह बतौर एक्टर भी नजर आएंगे।

साउथ एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश ने अजित कुमार के लिए शेयर किया भावुक संदेश

गुड बैड अग्ली सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अजित कुमार की इस फिल्म को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। इसको लेकर तमाम सितारे अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अब साउथ एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर और गुड बैड अग्ली की अभिनेत्री ने एक भावुक संदेश शेयर किया है। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने किसकी की तारीफ।

अभिनेत्री ने लिखा भावुक नोट

मलयालम अभिनेत्री प्रिया प्रकाश वारियर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अजित कुमार के साथ एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन दिया है। इसमें अभिनेत्री ने लिखा कि वह कहां से शुरू करें, उन्हें समझ नहीं आ रहा है। अजित की प्रशंसा के लिए उनके पास शब्द कम पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहली बातचीत से लेकर आखिरी दिन की शूटिंग तक उन्होंने सबका ख्याल रखा और किसी को यह महसूस नहीं होने दिया कि वह अलग-थलग है। आगे उन्होंने लिखा कि क्रू सदस्यों के साथ में भोजन करना और मजाक करना ये सारे पल याद रहेंगे। इसके साथ ही अभिनेत्री ने अजित की सादगी और जुनून का तारीफ करते हुए कहा कि उनसे कार, ट्रैवेल और रेसिंग की बात करते समय उनके आंखों में एक अलग चमक दिखती है।

युवाओं को प्रेरणा देते हैं अजित के व्यवहार

पोस्ट के कैप्शन में प्रिया प्रकाश ने आगे लिखा कि काम के प्रति अजित कुमार के समर्पण और धैर्य युवाओं को प्रेरणा देती हैं, जिसे वह संभाल कर रखेंगी। साथ ही अभिनेत्री ने उन्हें एक चमकता हुआ सितारा बताया और कहा कि उनसे यह सीखने वाली बात है कि आप कितने भी ऊंचाईयों पर चले जाएं, लेकिन जमीन से जुड़े रहना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने बताया कि फिल्म में उनका सबसे खास पल वो रहा, जब वह अजित के साथ डांस कर रही थी। अंत में बात समाप्त करते हुए उन्होंने कहा कि वह उम्मीद करती हैं कि भविष्य में फिर से अजित के साथ काम करेंगी और वह गुड बैड अग्ली फिल्म के अनुभवों को सदा सहेजकर रखेंगी।

एक नजर गुड बैड अग्ली की ओर

तमिल सुपरस्टार अजित कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म गुड बैड अग्ली 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इस फिल्म का निर्देशन आदिक रविचंद्रन ने किया है। फिल्म में एक्शन, डायलॉग्स और स्लो-मोशन शॉट्स की भरमार है। तृषा कृष्णन, अर्जुन दास, सुनील, जैकी श्रॉफ और प्रिया प्रकाश वॉरियर जैसे सितारों से सजी यह फिल्म अजित के ही चारों ओर घूमती है।

शाहरुख खान से मिला जिंदगी के लिए बड़ा सबक

शिल्पा राव का जन्म जमशेदपुर में हुआ, तेलुगू भाषी परिवार में जन्मी शिल्पा को बचपन से ही संगीत की शिक्षा मिली। शिल्पा का जन्म का नाम अपेक्षा राव था, जिसे उन्होंने बदल दिया। शिल्पा नाम उन्हें पसंद आया क्योंकि यह कला से जुड़ाव महसूस करवाता था। जमशेदपुर से निकलकर शिल्पा राव ने बॉलीवुड में बतौर सिंगर एक अलग जगह हासिल की।

शौक बन गया करियर

पिता से संगीत की शिक्षा लेने के बाद शिल्पा राव को गायक हरिहरन से म्यूजिक की ट्रेनिंग मिली। फिल्मफेयर को दिए गए एक इंटरव्यू में शिल्पा राव ने कहा, 'जब मैं हरिहरन जी से संगीत सीख रही थी तो उन्होंने ही सिंगर बनने के लिए मेरे अंदर रुचि पैदा की। इसके बाद मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।' शिल्पा को संगीत के क्षेत्र में कई लोगों से प्रेरणा मिलती है, जिसमें मेहंदी हसन, पंडित निखिल बनर्जी, उस्ताद सुल्तान खान, बेगम अख्तर और फरीदा खानुम जैसी संगीत की शख्सियत शामिल हैं।

जिंगल्स से की शुरुआत

साल 2001 में शिल्पा राव जमशेदपुर से मुंबई पढ़ाई करने और संगीत में करियर बनाने आ गईं। इसी दौरान एक म्यूजिक टैलेंट हंट शो भी शिल्पा ने जीता। इसके बाद शंकर महादेवन ने उन्हें जिंगल्स में गाने का मौका दिया। तीन साल जिंगल्स गाने के बाद शिल्पा ने फिल्मों में गाना शुरू कर दिया। कॉलेज के दिनों में वह म्यूजिक डायरेक्टर मिथुन के संपर्क में आईं। मिथुन ने शिल्पा को फिल्म 'अनवर' में एक गाना 'तोसे नैना' गाने का मौका दिया। इसके बाद सिंगर को अमिताभ बच्चन की फिल्म 'एक अजनबी' में गाने का मौका मिला। आगे चलकर कई बड़ी फिल्मों में गाने शिल्पा ने गाए। जिसमें 'देव डी', 'बचना ऐ हसीनों', 'देसी बॉयज', 'लेडीज वर्सेज रिक्की बहल', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'धूम 3', 'मिशन मंगल' और 'पठान' जैसी कई फिल्में शामिल हैं।

जब अमित त्रिवेदी के लिए बनीं मददगार

शिल्पा राव जब शुरुआती दौर में करियर बना रही थीं तो उन्होंने अपने दोस्त अमित त्रिवेदी की मदद भी की। फिल्म 'देव डी' में शिल्पा को गाने का मौका मिला तो उन्होंने निर्देशक अनुराग कश्यप और अमित त्रिवेदी को मिलवाया। अनुराग ने अमित को फिल्म का म्यूजिक बनाने का मौका दिया। फिल्म के गानों को, म्यूजिक को खूब सराहा गया। आज भी अमित बतौर सिंगर, म्यूजिक कंपोजर बेहतरीन गाने बना रहे हैं, कमाल का म्यूजिक फिल्मों में दे रहे हैं।

शाहरुख से सीखा जिंदगी का सबक

शिल्पा राव ने शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' में 'बेशर्म रंग' गाना गाया। साल 2023 में इस गाने को खूब पसंद किया गया। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के समय शिल्पा राव शाहरुख खान से मिली थी। वह शाहरुख खान से काफी इंप्रेस हुईं। अमर उजाला को ही दिए गए इंटरव्यू में शिल्पा बताती हैं, 'स्क्रीनिंग के समय फिल्म से जुड़े कई लोग वहां थे। मैंने देखा कि शाहरुख खान जाकर सभी से मिल रहे हैं, बातें कर रहे हैं। शाहरुख के बारे में जो इमेज है कि वह लोगों को अच्छा महसूस कराते हैं। वह एकदम सच है क्योंकि इतना बड़ा स्टार होने के बाबजूद भी उनमें घमंड नहीं है। मैंने उनसे सीखा कि आप चाहे जिस भी जगह पहुंच जाएं लेकिन लोगों के साथ प्यार से पेश आना बेहद जरूरी है।'

सोनाक्षी सिन्हा ने पूरी की पहली तेलुगु फिल्म जटाधारा की शूटिंग

सोनाक्षी सिन्हा तेलुगु फिल्म जटाधारा से साउथ इंडस्ट्री में कदम रख रही हैं। इस साल महिला दिवस के अवसर पर फिल्म की पहली झलक दिखाई गई थी। अब सोनाक्षी ने अपडेट दिया है कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इसकी जानकारी सोनाक्षी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा... और एक और फिल्म पूरी हुई, जटाधारा की शूटिंग मैंने पूरी कर ली है। मेरी पहली तेलुगु फिल्म और मेरी टीम ने इस पर कमाल कर दिया, बहुत मजा आया, बहुत धमाल किया। मुझे बेसब्री से इंतजार है कि आप लोग इसे देखें और प्रतिक्रिया दें। जटाधारा एक सुपरनैचुरल फैंटसी थ्रिलर फिल्म है। यह एक्शन और सस्पेंस से भरपूर फिल्म बताई जा रही है। इसमें सुधीर बाबू भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण कर रहे हैं। शिल्पा शिरोडकर भी फिल्म का हिस्सा हैं। बता दें कि जटाधारा के अलावा सोनाक्षी के पास तू है मेरी किरण भी है। इसके अलावा वह निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस में भी नजर आएंगी। जटाधारा एक सुपरनैचुरल फैंटसी थ्रिलर फिल्म है।

स्वामी मुद्रक,प्रकाशक पीतम सिंह द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस,डी-85 सेक्टर-6 नोएडा गौतमबुद्धनगर से मुद्रित करवाकर मकान नं.-57 सोरखा, जाहिदाबाद सेक्टर-115 नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। **RNI.NO.UPHIN/2010/31600** इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा। **संपादक (प्रमोद यादव) मो.9999164275, E-editorsaimedia@gmail.com**